शब्दबाणों का प्रहार

सिवनी

राष्ट्रबाण

संपादकः संजय बघेल

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

गुरुवार 17 जुलाई 2025 • वर्ष : 10 • अंक : 103 • पृष्ठ : 08 • मूल्य : 5.00 रुपए

E-PAPER : www.rashtrabaan.in www.facebook.com/rashtrabaan www.twitter.com/rashtrabaan

न्यूज ब्रीफ

मणिपुर के नए मुख्य सचिव नियुक्त हुए पुनीत कुमार गोयल

इंफाल। सीनियर आईएएस अधिकारी पुनीत कुमार गोयल को मणिपुर का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। वे प्रशांत कुमार सिंह की जगह लेंगे। गोयल एजीएमयूटी कैडर के 1991 बैच के अधिकारी हैं। सिंह को राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग का सचिव नियुक्त किया गया है। उन्होंने जनवरी 2025 में मणिपुर के मुख्य सचिव का कार्यभार संभाला था।

मुंबई में सौतेले पिता ने 5 साल की बच्ची की गला घोंटकर हत्या की

मुंबई। मुंबई में एक 40 साल एक व्यक्ति ने अपनी पांच साल की सौतेली बेटी की गला घोंटकर हत्या कर दी और शव समुद्र में फेंक दिया। मुंबई पुलिस ने मंगलवार को बताया कि आरोपी इमरान शेख को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह घटना तब सामने आई जब मंगलवार सुबह कोलाबा पुलिस अधिकारियों ने दक्षिण मुंबई में ससून डॉक के पास समुद्र में लड़की का शव तैरता हुआ पाया। एक अधिकारी ने बताया कि बच्ची सेंट्रल मुंबई के एंटॉप हिल इलाके से लापता हुई थी। उसके सौतेले पिता इमरान शेख और मां नाजिया, जो हाउस हेल्प ने बच्ची की गुमशुदगी की शिकायत एंटॉप हिल पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान, पुलिस ने एंटॉप हिल और आस-पास के इलाकों में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की, तो बच्ची को आखिरी बार उसके सौतेले पिता के साथ देखा गया। बच्ची का शव समुद्र में मिलने के बाद, पुलिस ने सौतेले पिता को हिरासत में ले लिया और उससे पूछताछ शुरू कर दी। अधिकारी ने बताया कि पूछताछ के दौरान उसने अपनी सौतेली बेटी की हत्या और शव को समुद्र में फेंकने की बात मान ली। पुलिस को शक है कि कपल के बीच किसी विवाद के चलते बच्ची की हत्या की गई होगी। बच्ची की मां ने आरोपी से दूसरी शादी की थी।

रिटायर्ड अफसर के घर से दो लुटेरों ने 66 लाख की लूट की

पुणे। पुणे शहर के वानवाड़ी इलाके में मंगलवार सुबह दो लुटेरों ने एक एयरफोर्स से रिटायर्ड विंग कमांडर के घर 66 लाख रुपए के सोने, हीरे के गहने और नकदी लूट ली। पुलिस ने बताया कि 78 साल के रिटायर्ड अफसर ने थाने में शिकायत दर्ज करवाई है। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि वह और उनकी पत्नी सो रहे थे। तभी काले नकाब पहने दो व्यक्ति रात करीब 2.30 बजे उनके बेडरूम में घुस आए और उन्हें जगाकर धमकाया और अलमारी की चाबियां मांगीं।

नाटो की भारत पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी

इंडियन पीएम हों या चीनी राष्ट्रपति, रूस को जंग रोकने को कहें, वरना नतीजा भुगतना होगा

ब्रसेल्स। एजेंसी

नाटो ने भारत, चीन और ब्राजील पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी है। नाटो महासचिव मार्क रूट ने बुधवार को कहा कि अगर आप चीन के राष्ट्रपति, भारत के प्रधानमंत्री या ब्राजील के राष्ट्रपति हैं, तो आपको यह समझना होगा कि रूस के साथ व्यापार जारी रखने का भारी नुकसान हो सकता है। रूट ने बुधवार को अमेरिकी सीनेटरों से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि इन तीनों देशों को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर दबाव डालना चाहिए, ताकि वह शांति वार्ता को गंभीरता से लें। रूट ने तीनों देशों पर सेकेंडरी प्रतिबंध लगाने की भी धमकी दी है। उन्होंने कहा कि अगर ये देश रूस से तेल और गैस खरीदना जारी रखते हैं तो इन देशों पर 100प्रतिशत सेकेंडरी प्रतिबंध लगाए जाएंगे।

रूस बोला- अपनी नीतियां नहीं बदलेंगे

वहीं, रूसी उप विदेश मंत्री सर्गेई रियाबकोव ने अमेरिका और नाटो की धमकियों को खारिज किया। उन्होंने कहा, रूस ट्रम्प के साथ बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन इस तरह के अल्टीमेटम मंजूर नहीं हैं। रियाबकोव ने कहा कि रूस आर्थिक दबाव के बावजूद अपनी नीतियां नहीं बदलेगा और ऑप्शनल बिजनेस रूट तलाशेगा। नाटो महासचिव की यह चेतावनी उस समय आई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यूक्रेन को नए हथियार देने और रूस के व्यापारिक साझीदारों पर भारी टैक्स लगाने की घोषणा की है। अमेरिका अब यूक्रेन को पैट्रियट मिसाइल जैसे आधुनिक हथियार देने वाला है, ताकि वह रूस के हमलों से बच सके।

दो दिन पहले ट्रम्प ने रूस पर 100प्रतिशत टैरिफ की धमकी दी : ट्रम्प ने सोमवार को रूस पर यूक्रेन से जंग खत्म करने का दबाव डालने के लिए भारी टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। ट्रम्प ने कहा था- मैं ट्रेड को कई चीजों के लिए इस्तेमाल करता हूं, लेकिन यह युद्ध खत्म करने के लिए बहुत अच्छा है। ट्रम्प ने कहा था कि अगर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 50 दिन में यूक्रेन के साथ शांति समझौता नहीं किया, तो उस पर 100प्रतिशत टैरिफ लगेगा। ट्रम्प ने बताया कि यह सेकेंडरी टैरिफ होगा, जिसका मतलब रूस से तेल खरीदने वाले देशों, जैसे भारत और चीन, पर भी प्रतिबंध लगेगा।

सेकेंडरी प्रतिबंध का भारत पर क्या असर होगा?

भारत रूस से कच्चे तेल का एक बड़ा खरीदार है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद से भारत ने रूस से सस्ता तेल खरीदकर अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा किया है। अगर सेकेंडरी प्रतिबंध लागू होते हैं, तो भारत पर इसके बुरे प्रभाव पड़ सकते हैं।

- **तेल आपूर्ति में रुकावट :** भारत रूस से अपनी कुल तेल आयात का एक बड़ा हिस्सा खरीदता है। प्रतिबंधों के कारण रूसी तेल की आपूर्ति रुक सकती है। इससे भारत को वैकल्पिक स्रोतों (जैसे सऊदी अरब, इराक) से महंगा तेल खरीदना पड़ सकता है, जिससे तेल की कीमतें बढ़ेंगी।
- **आर्थिक नुकसान :** अगर भारत रूस से तेल खरीदना बंद करता है, तो ईंधन की कीमतें बढ़ सकती हैं, जिसका असर आम जनता पर पड़ेगा। अगर भारत रूस के साथ व्यापार जारी रखता है, तो अमेरिका भारतीय कंपनियों या बैंकों पर प्रतिबंध लगा सकता है, जिससे भारत का निर्यात और वित्तीय लेनदेन प्रभावित होगा।
- **ऊर्जा संकट :** रूस से तेल आयात बंद होने पर भारत की ऊर्जा सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। वैश्विक तेल बाजार पहले से ही अस्थिर है, और नए प्रतिबंध इस स्थिति को और बिगाड़ सकते हैं। भारत को तेल की कमी से बचने के लिए आपातकालीन योजनाएं बनानी पड़ सकती हैं।
- **अंतरराष्ट्रीय दबाव :** भारत को अमेरिका और नाटो के दबाव का सामना करना पड़ सकता है, जिससे उसकी विदेश नीति पर असर पड़ेगा। भारत को रूस और पश्चिमी देशों के बीच संतुलन बनाना मुश्किल हो सकता है।

सेकेंडरी प्रतिबंध के बारे में जानिए...

सेकेंडरी प्रतिबंध उन देशों या कंपनियों पर लगाए जाते हैं जो सीधे प्रतिबंधित देश पर नहीं, लेकिन उसके साथ व्यापार करने वाले देशों या कंपनियों पर लगाए जाते हैं। इसे आसान भाषा में ऐसे समझिए कि जैसे अमेरिका ने ईरान पर प्रतिबंध लगा रखा है। अगर अब भारत की कोई कंपनी ईरान से तेल खरीदती है, तो अमेरिका कह सकता है कि भारत की कंपनी ने हमारे प्रतिबंधों की अनदेखी की है, ऐसे में हम उन्हें सजा देंगे। अमेरिका, ईरान से व्यापार करने वाली कंपनी को अमेरिकी बैंकिंग सिस्टम से निकाल सकती है, जुर्माना लगा सकती है या व्यापार पर रोक लगा सकती है। इसका असर ये होता है कि सेकेंडरी प्रतिबंध के डर के कारण बहुत सी कंपनियां ऐसे देशों से व्यापार करने से बचने लगती हैं।

कल के हथियारों से आज की जंग नहीं जीत सकते

सीडीएस बोले- विदेशी टेक्नोलॉजी पर निर्भरता हमें कमजोर बना रही, स्वदेशी एडवांस टेक्नोलॉजी जरूरी

नई दिल्ली। एजेंसी

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने बुधवार को कहा कि हम कल के हथियारों से आज की लड़ाई नहीं जीत सकते। उन्होंने कहा विदेश से इम्पोर्ट की गई टेक्नोलॉजी पर निर्भरता हमारी युद्ध तैयारियां कमजोर करती है। सीडीएस ने कहा कि यह हमें कमजोर बना रही है। ऑपरेशन सिंदूर ने हमें दिखाया कि हमारे लिए स्वदेशी सी-यूएएस (काउंटर-अनमैंड एरियल सिस्टम) यानी एंटी ड्रोन सिस्टम क्यों जरूरी है। हमें अपनी सुरक्षा के लिए इन्वेस्टमेंट करना होगा।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने अनआर्म्ड ड्रोन्स का इस्तेमाल किया। अधिकतर ड्रोन्स मार गिराए गए। ये हमारे किसी भी मिलिट्री या सिविल इन्फ्रास्ट्रक्चर को कोई नुकसान नहीं पहुंचा सके। सीडीएस ने ये बातें दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में यूएवी (अनमैंड एरियल व्हीकल) और सी-यूएएस (काउंटर-अनमैंड एरियल सिस्टम) की प्रदर्शनी में कहीं।

3 जून को कहा था- पाक की प्लानिंग 8 घंटे में फेल हुई

सीडीएस जनरल चौहान ने 3 जून को पुणे यूनिवर्सिटी में भविष्य के युद्ध और युद्ध विषय पर लेक्चर में कहा था, 10 मई रात पाकिस्तान ने भारत को 48 घंटे में घुटने पर लाने की प्लानिंग की थी। उसने कई जगह पर एक साथ हमले किए, लेकिन उसकी योजना 8 घंटे में ही फेल हो गई थी।

सीडीएस बोले- सेना ने ड्रोन्स का क्रांतिकारी इस्तेमाल किया

युद्ध में ड्रोन के इस्तेमाल पर जनरल चौहान ने कहा- मुझे लगता है कि ड्रोन्स इवॉल्यूशनरी (विकासवादी) हैं और युद्ध में उनका इस्तेमाल बहुत क्रांतिकारी रहा है। जैसे-जैसे उनकी तैनाती और दायरा बढ़ा, सेना ने क्रांतिकारी तरीके से ड्रोन का इस्तेमाल किया। हमारे लड़े गए कई युद्धों में आपने यह देखा है। उन्होंने कहा- हम इम्पोर्टेड टेक्नोलॉजी पर निर्भर नहीं रह सकते, क्योंकि यह हमारे युद्ध और डिफेंस ऑपरेशन के लिए महत्वपूर्ण हैं। विदेशी तकनीकों पर निर्भरता हमारी तैयारियों को कमजोर करती है। उत्पादन बढ़ाने की हमारी क्षमता को कम करती है। इससे अहम मैकेनिकल पार्ट्स की कमी होती है।

खराब मौसम के कारण दिल्ली में 5 फ्लाइट डायवर्ट

राजस्थान में सेल्फी लेते वक्त झरने में डूबा जेईई स्टूडेंट; प्रयागराज में सड़क पर अंतिम संस्कार

नई दिल्ली/भोपाल। एजेंसी

दिल्ली-एनसीआर में बीते एक हफ्ते से तेज बारिश जारी है। पिछले तीन दिनों से बारिश लगातार हो रही है। बुधवार को भी तेज बारिश जारी है। खराब मौसम के कारण दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरने वाली इंडिगो-एअर इंडिया की 2-2 फ्लाइट जयपुर और एअर इंडिया की 1 फ्लाइट अमृतसर डायवर्ट की गई।

राजस्थान के जयपुर में बीसलपुर बांध लगभग पूरा भर गया है। बूंदी में सेल्फी लेते वक्त जेईई स्टूडेंट झरने में बह गया, 8 घंटे बाद उसकी डेडबॉडी मिली। टोंक में बुजुर्ग नदी में डूबा, करौली में भी युवक की गंभीर नदी में डूबने से मौत हुई। राज्य में 3 दिन में 20 लोगों की मौत हुई। मध्य प्रदेश में 18 जिलों में तेज बारिश हो रही है। आलीराजपुर में उर नदी उफान पर है। शहडोल के बाणसागर डैम के 8 गेट खोले गए। बैतूल में सतपुड़ा बांध के 5 गेट 2 फीट तक खोले गए। डिंडौरी-मंडला में तेज बारिश हुई।

यूपी के 20 से ज्यादा शहरों में बारिश जारी है। गंगापार-यमुनापार के कछारी इलाकों के 200 से ज्यादा गांव पर बाढ़ का खतरा है। प्रयागराज में 5 लाख लोग बाढ़ से परेशान हैं। शहर का सबसे बड़ा श्मशान दारागंज डूबने के कारण 13 शवों का सड़क पर अंतिम संस्कार किया गया।

विधानसभा में लुंगी-बनियान पहनकर पहुंचे विपक्ष के विधायक

एमएलए के खिलाफ किया प्रदर्शन; गायकवाड़ ने केंटीन कर्मचारी को थप्पड़ मारा था

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा के बाहर बुधवार को एक अनोखा विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। महाविकास आघाड़ी (एमवीए) के विधायकों ने 'लुंगी-बनियान' पहनकर प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन शिवसेना (शिंदे गुट) के विधायक संजय गायकवाड़ द्वारा विधायक हॉस्टल की कैंटीन के कर्मचारी से मारपीट के खिलाफ किया गया।

शिवसेना (उद्धव गुट) के विधान परिषद में नेता अंबादास दानवे, एनसीपी (शरद पवार गुट) के विधायक जीतेन्द्र आव्हाड समेत कई विपक्षी नेता इस प्रदर्शन में शामिल हुए। सभी ने अपने पारंपरिक कपड़ों के ऊपर बनियान और तौलिया (लुंगी की तरह) पहनकर 'गुंडा राज' के खिलाफ नारेबाजी की। अंबादास दानवे ने कहा कि जब विधायक कैंटीन में ही मारपीट कर रहे हैं, तो इससे साफ है कि सरकार ऐसे तत्वों को संरक्षण दे रही है। इससे पहले सीएम देवेंद्र फडणवीस और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे भी विधायक की आलोचना कर चुके हैं।

बंगालियों से भेदभाव पर ममता का पैदल मार्च

बीजेपी बंगाली बोलने वालों को परेशान कर रही; सुवेंदु बोले- ये अवैध घुसपैठियों को बचाने की कोशिश

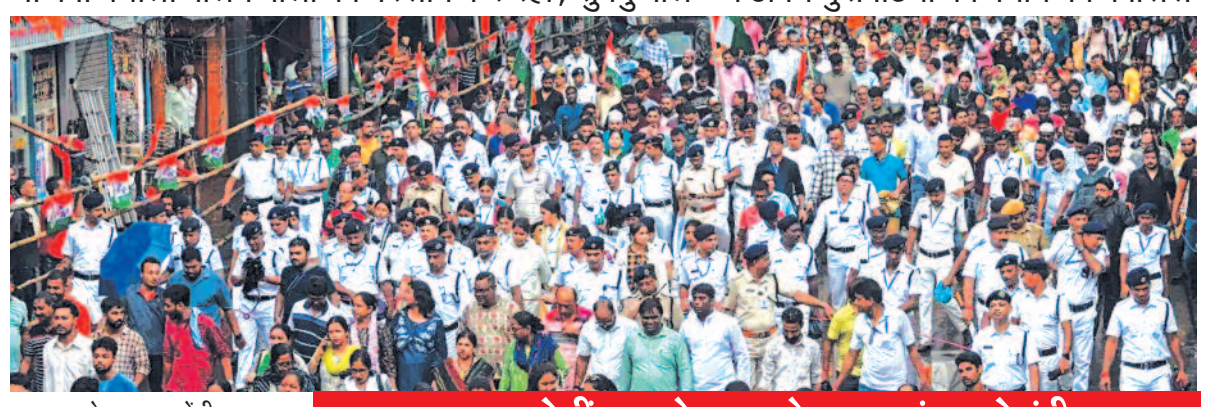

कोलकाता। एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को भाजपा शासित राज्यों में बंगाली बोलने वाले लोगों के साथ हो रहे कथित उत्पीड़न के खिलाफ विरोध मार्च निकाला। ममता ने कहा कि बंगालियों के प्रति भाजपा के रवैये से मैं शर्मिंदा और निराश हूं। अब से मैंने तय किया है कि मैं बांग्ला में ज्यादा बोलूंगी। अगर आप मुझे डिटेंशन कैंप में रखना चाहते हैं तो रखें।

यह रैली कोलकाता के कॉलेज स्क्वायर से धर्मतला के दोरीना क्रॉसिंग तक निकाली गई। इसमें अभिषेक बनर्जी समेत पार्टी के कई बड़े नेता इस रैली में शामिल हुए। कोलकाता के अलावा पार्टी ने राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में भी इसी मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन किया। यह ऐसे समय पर हो रहा है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य के दौरे पर आने वाले हैं।

सुवेंदु अधिकारी बोले- ये अवैध घुसपैठियों को बचाने की कोशिश है: ममता की रैली के बाद भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा, बंगाली अस्मिता की बात सिर्फ अवैध घुसपैठियों को बचाने की कोशिश है। जब हजारों बंगाली शिक्षक सरकारी घोटालों के चलते नौकरी से निकाले गए, तब ममता ने उनकी आवाज क्यों नहीं सुनी? अधिकारी ने यह भी आरोप लगाया कि ममता बनर्जी खुद बंगाली अफसरों की अनदेखी करती हैं। उन्होंने पूछा कि वरिष्ठ अफसर अत्री भट्टाचार्य और सुब्रत गुप्ता को मुख्य सचिव क्यों नहीं बनाया गया?

ममता बोलीं- अब से ज्यादा से ज्यादा बांग्ला बोलूंगी

सीएम ममता ने कहा, मैं आपको (बीजेपी) चैलेंज करती हूं कि साबित कीजिए कि बांग्ला बोलने वाले प्रवासी लोग रोहिंग्या मुसलमान हैं। बंगाल के 22 लाख प्रवासी श्रमिक देश के अन्य हिस्सों में काम कर रहे हैं, उनके पास वैध पहचान दस्तावेज हैं। मैं बंगालियों पर अत्याचार बर्दाश्त नहीं करूंगी। भाजपा शासित राज्यों में बांग्ला भाषी लोगों को बांग्लादेशी और विदेशी कहकर प्रताड़ित और जेल और डिटेंशन कैंप में भेजा जा रहा है। क्या बंगाल देश का हिस्सा नहीं है। दूसरे राज्यों में बैठकर बंगाल के वोटर का नाम काटा जा रहा है। भाजपा ऐसा कर महाराष्ट्र में चुनाव जीती। अब बिहार में ऐसा कर रही है। उन्होंने चुनाव आयोग पर भाजपा की दलाली करने का आरोप लगाया।

अदालतों में टॉयलेट की कमी पर सुप्रीम कोर्ट नाराज, 20 हाईकोर्ट से 8 हफ्ते में रिपोर्ट मांगी

पुरुष-महिला, दिव्यांग, ट्रांसजेंडर्स के लिए अलग टॉयलेट्स के निर्देश

नई दिल्ली। एजेंसी

देश की अदालतों में टॉयलेट जैसी बुनियादी सुविधा की हालत पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। बुधवार को कोर्ट ने नाराजगी जताई कि देश के 25 में से 20 हाईकोर्ट ने अब तक ये नहीं बताया कि उन्होंने टॉयलेट की सुविधा सुधारने के लिए क्या कदम उठाए हैं? सुप्रीम कोर्ट ने 15 जनवरी 2025 को सभी हाईकोर्ट, राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया था कि हर अदालत में पुरुष, महिला, दिव्यांग और ट्रांसजेंडर्स के लिए अलग-अलग टॉयलेट होने चाहिए। उचित स्वच्छता पाना संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत एक मौलिक अधिकार है।

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन ने आज सुनवाई के दौरान सभी हाईकोर्ट को रिपोर्ट पेश करने के लिए 8 हफ्ते का समय दिया। सुप्रीम कोर्ट ने चेतावनी दी है कि अगर इस बार रिपोर्ट नहीं आई तो हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को खुद सुप्रीम कोर्ट में हाजिर होना पड़ेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने बताया, सिर्फ 5 हाईकोर्ट ने जमा की रिपोर्ट

झारखंड हाईकोर्ट
मध्य प्रदेश हाईकोर्ट
कलकत्ता हाईकोर्ट
दिल्ली हाईकोर्ट
पटना हाईकोर्ट

मौके पर कई राउंड फायरिंग की; टेररिस्ट की मदद करने वाले दो स्थानीय गिरफ्तार

पहलगाम हमले के बाद आतंकियों ने जश्न मनाया

श्रीनगर, एजेंसी।

पहलगाम में 26 लोगों की हत्या के बाद आतंकियों ने मौके पर जश्न मनाया। उन्होंने खुशी मनाते हुए हवा में कई राउंड फायरिंग की। ये खुलासा राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की जांच में हुआ है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 3 आतंकियों ने हमले को अंजाम दिया। घटना के तुरंत बाद एक स्थानीय व्यक्ति ने आतंकियों को हवा में फायरिंग करते देखा। यही व्यक्ति अब एनआईए के लिए अहम गवाह बन गया है।

गवाह ने बताया कि घटना के बाद जब वह बायसरन से लौट रहा था तो आतंकियों ने उसे रोका और लगभग चार राउंड हवाई फायरिंग की। हमले के वक्त दो स्थानीय लोग, परवेज अहमद जोठार और बशीर अहमद बायसरन में आतंकियों के सामान की निगरानी कर रहे थे। इन दोनों को एनआईए ने पिछले महीने गिरफ्तार किया है। पूछताछ में पता चला है कि तीनों आतंकी पाकिस्तान से थे और लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े थे।

हमले का मास्टरमाइंड लश्कर का कमांडर सुलेमान

बताया जा रहा है, जो पहले भी कश्मीर में कई बड़े हमलों में शामिल रहा है। सुलेमान पर सोनमर्ग के जेड मोड सुरंग पर सात मजदूरों की हत्या का आरोप भी है।

परवेज ने आतंकियों को पनाह दी

परवेज अहमद ने पूछताछ में खुलासा किया कि घटना से एक दिन पहले तीनों आतंकी उसके घर आए थे। उन्होंने परिवार के साथ खाना खाया, बायसरन के रास्तों की जानकारी ली और जाते समय कुछ पैसे भी दिए। अगली दोपहर उन्हें बायसरन घाटी में पहुंचने को कहा गया था।

पहलगाम हमले में 26 पर्यटकों की जान गई थी

22 अप्रैल को हुए इस हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी और 16 लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। आतंकियों ने पर्यटकों को उनकी धार्मिक पहचान के आधार पर चुन-चुनकर निशाना बनाया था। घटना पहलगाम शहर से 6 किलोमीटर दूर बायसरन घाटी में हुई थी।

तहसीलदारों को न्यायालय और गैर न्यायालय में बांटने का विरोध

प्रदेशभर में कलेक्टरों को ज्ञापन देंगे, फैसला वापस न हुआ तो 21 जुलाई से काम बंद

भोपाल। राष्ट्रबाण

तहसीलदारों की पदस्थापना को लेकर मोहन कैबिनेट के एक माह पुराने फैसले का प्रदेश के तहसीलदार विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस फैसले से लोगों को सुविधा मिलने की बजाय दिक्कत बढ़ेगी। कुछ जिलों में कलेक्टरों ने कैबिनेट के फैसले के आधार पर आदेश भी जारी कर दिए हैं, जिसे वापस लेने की मांग की जा रही है। ऐसा न करने पर तहसीलदार और नायब तहसीलदार 21 जुलाई से काम बंद करेंगे। कनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी (तहसीलदार) संघ ने तहसीलदार और नायब तहसीलदार कैडर के अफसरों के बीच न्यायालयीन और गैर न्यायालयीन कार्य विभाजन का विरोध किया है। संघ ने कहा है कि अफसरों के बीच इस तरह का विभाजन किसी स्टडी, किसी समिति की सिफारिश और पारदर्शी मापदंड को अपनाए बगैर किया जा रहा है। इसका कोई ठोस और तार्किक कारण भी नहीं है। इस तरह के निर्णय से कार्यक्षमता कैसे बढ़ेगी? गैर न्यायालयीन कार्यों के लिए संभागीय मुख्यालयों के जिलों में 14 और अन्य जिलों में 8 तहसीलदार और नायब तहसीलदार चिन्हित करने का काम किस आधार पर किया गया है, यह भी इसमें स्पष्ट नहीं है।

संयुक्त परामर्शदात्री समिति की सहमति नहीं ली

प्रदेश के तहसीलदारों का यह भी कहना है कि इस मामले में संयुक्त परामर्शदात्री समिति से सहमति ली जानी चाहिए जो नहीं ली गई है। इस मामले में संघ को विश्वास में लिए बगैर फैसला किया गया है।

अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर आदेश कर रहे कलेक्टर

संघ का आरोप है कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 6 के अंतर्गत कार्यपालिक मजिस्ट्रेट को क्रिमिनल कोर्ट का एक वर्ग माना गया है, जिसे नियुक्त करने की शक्ति धारा 14 के अंतर्गत शासन को है। जबकि प्रमुख राजस्व आयुक्त के आदेश के पालन में कलेक्टर इस तरह के पदों पर नियुक्तियां कर रहे हैं, जो उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर है। इसके लिए जबलपुर और सिवनी में आदेश भी जारी किए गए हैं।

राजस्व न्यायालयों में कमी की स्थिति बन रही

इन्होंने सवाल उठाया है कि अधिकार विहीन कार्यपालिक मजिस्ट्रेट कहां बैठेंगे और उनके रीडर, आफिस स्टाफ को लेकर भी स्थिति साफ नहीं है। संघ ने यह भी कहा है कि इस फैसले से राजस्व न्यायालयों में कमी की स्थिति बन रही है। जबकि तीन राजस्व महाभियान चलाने के बाद भी किसानों की समस्याओं में कमी नहीं हो रही है।

प्रदेश के एक-दो जिलों में नवाचार करते

कनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी संघ ने कहा है कि अगर राजस्व विभाग को कोई नवाचार करना ही था तो पुलिस कमिश्नर प्रणाली की तरह प्रदेश के एक-दो जिलों में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर इस व्यवस्था को लागू किया जाता और फिर इस पर अंतिम फैसला होता। संघ ने कलेक्टरों को सौंपे ज्ञापन के जरिये यह कहा है कि अगर सरकार इस मामले में बदलाव कर कलेक्टरों के आदेश नहीं रोकती है तो प्रदेश के सभी तहसीलदार 21 जुलाई से काम बंद कर देंगे।

भोपाल में सरेराह युवक पर जानलेवा हमला, छुरी-तलवार से वार किए

बदमाशों ने घायल का वीडियो पोस्ट कर लिखा- ...और करो उलझन

भोपाल। राष्ट्रबाण

भोपाल के गैमन इंडिया मॉल के पास मंगलवार-बुधवार रात के बीच एक मैकेनिक पर बदमाशों ने सरेराह जानलेवा हमला कर दिया। हथियारों से लैस करीब आधा दर्जन बदमाश कार से पहुंचे और युवक पर छुरी-तलवार से ताबड़तोड़ वार किए। हमले के पीछे वजह ङ्क अड़ीबाजी की रकम न देना बताया जा रहा है। घायल अमन (22), जो टीटी नगर के शिव नगर कॉलोनी में रहता है, को गंभीर हालत में हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के मुताबिक उसके दाहिने हाथ की तीन उंगलियों में गहरे कट हैं, कंधे और जांघ में भी गंभीर चोटें आई हैं। आज उसके हाथ की सर्जरी की जानी है।

पैसे नहीं दिए तो मार देंगे

पीड़ित के भाई फैजान के अनुसार, इलाके के बदमाश नरेंद्र रायकवार और नीलेश रजक बीते कई महीनों से अमन पर अड़ीबाजी कर रहे थे। धमकी दी जाती थी ङ्क 卐हर महीने तय रकम दो, वरना दुकान बंद करवा देंगे।卐 अमन टीटी नगर क्षेत्र में मैकेनिक की दुकान चलाता है। डर के चलते उसने कई बार पैसों की मांग पूरी भी की, लेकिन जब लगातार परेशान किया गया, तो उसने तीन महीने पहले थाने में शिकायती आवेदन दिया था। हालांकि, पुलिस ने उस वक्त कोई एफआईआर दर्ज नहीं की।

इनोवा से आए और हमला किया

वारदात मंगलवार देर रात 2.30 बजे की है। अमन मॉल के पास चाय की दुकान पर बैठा था, तभी आरोपी नरेंद्र, नीलेश और उनके 3-4 साथी इनोवा कार में पहुंचे। सभी के पास धारदार हथियार थे। उन्होंने बिना कुछ कहे हमला कर दिया। अमन के चीखने की आवाज सुनकर लोग इकट्ठा हुए, लेकिन तब तक हमलावर फरार हो चुके थे।

घायल अमन का वीडियो अपलोड किया

हमले के कुछ देर बाद आरोपी नरेंद्र रायकवार ने अमन की हालत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड किया और कैप्शन में लिखा - और करो उलझन। डीसीपी शशांक ने बताया कि अमन की शिकायत पर हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर लिया गया है। आरोपी फरार हैं और उनकी तलाश के लिए टीमें गठित की गई हैं। उन्होंने कहा कि पहले दिए गए शिकायती आवेदन की भी जांच की जा रही है।

घड़ियों की ऑनलाइन डिलीवरी मिलते ही दो युवक फरार

डिलीवरी बॉय को धक्का देने के बाद पार्सल छीनकर भाग निकले आरोपी

भोपाल। राष्ट्रबाण

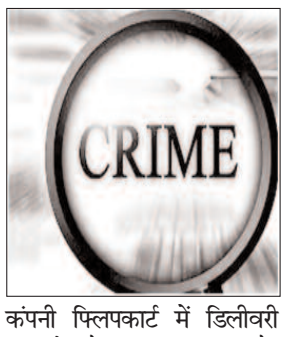

भोपाल में एम्स हॉस्पिटल के पास ऑनलाइन ऑर्डर की दो घड़ियों के पार्सल मिलने के बाद युवक डिलीवरी बॉय को धक्का देर भाग निकले। पीड़ित ने घटना की सूचना तत्काल डायल 100 को दी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने काफी देर तक सर्चिंग की। जब आरोपी युवकों का सुराग नहीं मिला तो पीड़ित को थाने लेकर पहुंची पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली। पुलिस हुलिया के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है। बागसेवनिया पुलिस के मुताबिक अवधपुरी इलाके में रहने वाला देवेंद्र अहिरवार ऑनलाइन शॉपिंग कंपनी फ्लिपकार्ट में डिलीवरी बॉय के तौर पर काम करता हैं। प्रदीप राणा और समीर अवस्थी नाम के दो युवकों ने फ्लिपकार्ट के जरिए दो टाइटन की घड़ियां मंगवाई थीं। घड़ियों की डिलीवरी के लिए जब देवेंद्र ने दोनों के मोबाइल पर कॉल किया तो उन्होंने बताया कि वे इस समय एम्स अस्पताल के पास हैं।

एम्स के पास डिलीवरी देने बुलाया था

उन्होंने देवेंद्र अहिरवार को भी घड़ियों की डिलीवरी के एम्स के गेट क्रमांक दो पर बुला लिया। देवेन्द्र जब घड़ियां देने पहुंचा तो युवकों ने पार्सल लिया और डिब्बे में रखी घड़ियां चैक की। इसके बाद युवकों ने देवेंद्र को धक्का दिया और घड़ियां लेकर भाग निकले। 11 जुलाई की इस वारदात की जांच करने के बाद गत दिवस पुलिस ने झपटमारी का मामला दर्ज कर लिया है। ऑर्डर बुक करने के लिए जिन मोबाइल फोन नंबरों का इस्तेमाल किया है उनके आधार पर पुलिस ने युवकों के नाम की पहचान की है। एक युवक शाहजहांनाबाद इलाके में रहता है जबकि दूसरा युवक मिसरोद इलाके के श्रीराम परिसर में रहता है। पुलिस का दावा जल्द ही दोनों को हिरासत में ले लिया जाएगा।

सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की किसी को अनुमति नहीं : मुख्यमंत्री यादव

हरदा लाठीचार्ज मामले की सीएम ने मांगी रिपोर्ट, राजपूत हॉस्टल में पुलिस ने बरसाई थीं लाठियां

भोपाल। राष्ट्रबाण

हरदा में करणी सेना परिवार के प्रदर्शनकारियों पर पुलिस द्वारा राजपूत छात्रावास में घुसकर किए गए लाठीचार्ज पर सीएम ने संज्ञान लिया है। सीएम ने ट्वीट कर लिखा, हरदा छात्रावास प्रकरण का संज्ञान लेकर मैंने जिला प्रशासन से विस्तृत जांच रिपोर्ट तलब की है। हमारी सरकार के लिए सामाजिक न्याय और परस्पर सद्भाव सर्वोच्चय प्राथमिकता है। मप्र में सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की किसी को अनुमति नहीं दी जाएगी।

हरदा में विवाद की पूरी टाइम लाइन

- विवाद की शुरुआत 11-12 जुलाई को हुई। करणी सेना परिवार के नेता आशीष सिंह राजपूत ने आरोप लगाया कि उनके साथ हीरा खरीदने के नाम पर 18ज़लाख की धोखाधड़ी हुई, जिसकी उन्होंने मोगली थाने में शिकायत दर्ज करवाई। आशीष राजपूत ने विकास लोधी, मोहित वर्मा, उमेश तपानिया के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी।
- 12-13 जुलाई को पुलिस ने आरोपी मोहित वर्मा को गिरफ्तार किया और उसे कोर्ट ले जाने का प्रयास किया। इस दौरान करीब 40-50 करणी सेना कार्यकर्ता कोर्ट परिसर और मुख्य मार्ग पर आकर अदालत के रास्ते पर आरोपी को सौंपने की मांग की इसको लेकर दोनों पक्षों में विवाद हुआ।
- पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बातचीत की कोशिश की, लेकिन जब प्रदर्शनकारी नहीं हटे तो आंसू गैस, वाटर कैनन और लाठीचार्ज किया। इस दौरान 4-5 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया, जिनमें जिला अध्यक्ष सुनील राजपूत, आशीष राजपूत भी शामिल थे।
- 3 जुलाई रविवार सुबह प्रदर्शनकारियों ने खंडवा बायपास हाईवे और अन्य मार्गों को बंद कर दिया। जाम के कारण स्कूल, एम्बुलेंस प्रभावित हुए तो पुलिस ने तीन बार तक लाठीचार्ज किया, साथ में तीन बार वाटर कैनन, आंसू गैस फायरिंग की गई। पुलिस ने नियम तोड़ने के आरोप में सैकड़ों कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया। 60 से ज्यादा लोगों को जेल भेज दिया गया।
- कोर्ट के बाहर और राजपूत छात्रावास में घुसकर क्षेत्र के साथ भी क्षेत्र को खाली कराने के लिए दोबारा बल प्रयोग किया गया।
14 जुलाई को 60 से ज्यादा गिरफ्तारियों की पुष्टि हुई। इसके बाद शांति बनाए रखने के लिए हरदा में प्रशासन ने सेक्शन 163 बीएनएस (पूर्व 144) लागू कर दी गई।
- पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह हरदा पहुंचे, उन छात्रों से मिले जिनके ऊपर लाठीचार्ज किया गया था। स्थानीय लोगों ने पुलिस पर बच्चों सहित महिलाओं को पीटने का आरोप लगाते हुए न्यायिक जांच की मांग की।
- 15 जुलाई को करणी सेना परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष जीवन सिंह शेरपुर को शर्तों के साथ रिहा किया गया। उन्होंने आंदोलन शांतिपूर्ण रखने और आंदोलन जारी रखने का ऐलान किया।
- प्रशासन ने अधिकृत रिपोर्ट तैयार की और वीडियो फुटेज जारी कर यह दिखाने की कोशिश की कि पुलिस कार्रवाई समूह विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि स्थानीय कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए की गई थी ।

दुबई यात्रा के बाद स्पेन पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

एमपी में इंटरनेशनल लेवल की फिल्म शूटिंग को लेकर स्पेन फिल्म इंडस्ट्री के चेयरमैन से मिलेंगे

भोपाल। राष्ट्रबाण

दुबई के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 4 दिन (16 से 19 जुलाई) की यात्रा पर स्पेन पहुंच गए हैं। वे स्पेन फिल्म आयोग के अध्यक्ष से मुलाकात करेंगे। जिसमें मध्यप्रदेश में अंतरराष्ट्रीय स्तर की फिल्म शूटिंग और सहयोग पर चर्चा की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्राडो म्यूजियम का भ्रमण भी करेंगे। मुख्यमंत्री का स्पेन में जोरदार स्वागत किया गया। स्पेन में मीडिया से चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि दुबई का दौरा मध्य प्रदेश के लिए काफी सकारात्मक रहा। मैं इस यात्रा से संतुष्ट हूं। आने वाले समय में दुबई में हमारी गतिविधि को आगे बढ़ाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जिस प्रकार से विश्व के देशों के साथ भारत सरकार के अंब्रेला में राज्य सरकार काम कर रही है मध्य प्रदेश उसमें बड़ी भूमिका देखता है। इसी आधार पर हमने स्पेन और दुबई का दौरा बनाया था। मैं दुबई का दौरा संपन्न करके आया हूं। टूरिज्म हो, माइनिंग हो, अलग-अलग प्रकार की फूड इंडस्ट्री हो। हर एक स्थान पर हमको स्कोप मिला है। मैं उम्मीद करता हूं स्पेन का दौरा इसी प्रकार रहेगा।

स्पेन में भारतीय राजदूत से मिलेंगे

स्पेन प्रवास के पहले दिन 16 जुलाई को मुख्यमंत्री डॉ. यादव से भारत के राजदूत दिनेश के. पटनायक शिष्टाचार भेंट करेंगे। इसके बाद डॉ. यादव मैड्रिड में आयोजित 卐इन्वेस्ट इन मध्यप्रदेश卐 बिजनेस फोरम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस सेशन में वरिष्ठ अधिकारी पर्यटन, औद्योगिक नीति एवं निवेश, आईटी और अधोसंरचना सेक्टर पर प्रेजेंटेशन देंगे। वे उद्योग, पर्यटन, खेल, संस्कृति तथा फिल्म निर्माण से जुड़े विषयों पर उच्च स्तरीय बैठकों में भाग लेंगे।

नेचर बायो फूड्स के सीईओ बताएंगे अपने अनुभव

बिजनेस फोरम की शुरुआत मध्यप्रदेश शासन के सचिव एवं मुख्यमंत्री के सचिव इलैया राजा टी. के स्वागत भाषण से होगी। स्पेन-इंडिया काउंसिल फाउंडेशन के अध्यक्ष जुआन इग्नासियो एंत्रेकानालेस भी फोरम को संबोधित करेंगे। नेचर बायोफूड्स के सीईओ रोहन ग्रोवर द्वारा अनुभव साझा किए जाएंगे।

स्वच्छता सर्वेक्षण-2024 में बढ़ा आगे, एक साल में 3 पायदान छलांग लगाई

देश के सबसे साफ शहरों में भोपाल दूसरा

भोपाल। राष्ट्रबाण

स्वच्छता सर्वेक्षण-2024 में भोपाल देश के सबसे साफ शहरों में टॉप-3 पर है। निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने बताया, भोपाल ने 3 पायदान छलांग लगाई है और देश में दूसरी रैंकिंग मिली है। गुरुवार को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू पुरस्कार देगी। 6 साल बाद भोपाल दूसरे नंबर पर आएगा। इसलिए जश्न भी भव्य तरीके से करेंगे। स्वच्छता मित्रों और जनता के साथ जश्न मनाएंगे। लड्डू भी बांटे जाएंगे। गुरुवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में स्वच्छता कार्यक्रम होगा। इसमें राष्ट्पति मुर्मू शामिल होंगी। पुरस्कार लेने के लिए एक दिन पहले बुधवार को ही मेयर मालती राय और निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण दिल्ली पहुंच गए। वहीं, एक टीम भी पहुंची है।

पिछली बार पांचवें नंबर पर था भोपाल

पिछले सर्वे में भोपाल 5वें नंबर पर था। कचरे की प्रोसेसिंग में सुधार और डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन की व्यवस्था को और पुख्ता कर भोपाल ने दावा मजबूत किया है। वहीं, फरवरी में हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) की वजह से भी

भोपाल को फायदा मिलेगा। जीआईएस के चलते राजधानी में 100 करोड़ रुपए से ज्यादा के काम शहर में हुए हैं। इसमें स्वच्छता से जुड़े काम भी शामिल थे। इसी दौरान स्वच्छता सर्वेक्षण टीमें भी भोपाल पहुंची थी।

स्वच्छ सर्वेक्षण में भोपाल का अब तक का सफर

- स्वच्छ सर्वेक्षण में भोपाल ने 2017 और 2018 में लगातार दो साल देश में दूसरी रैंक हासिल की थी।
- 2019 में भोपाल खिसककर 19वें नंबर पर आ गया। उस समय अफसरों के लगातार तबादले के कारण तैयारियों की दिशा ही तय नहीं हो पाई थी।
- 2020 में कम बैक करते हुए 12 पायदान ऊपर खिसका और 7वीं रैंक हासिल की।
- 2021 के सर्वेक्षण में भी भोपाल ने 7वां स्थान हासिल किया था।
- 2022 के सर्वेक्षण में भोपाल की रैंक सुधरी और यह छठवें स्थान पर आ गया। वहीं, भोपाल को 5 स्टार मिले थे।
- 2023 के सर्वेक्षण में पांचवीं रैंकिंग रही थी।

सबसे स्वच्छ राजधानी का तमगा मिलने की उम्मीद

स्वच्छ सर्वेक्षण में इस बार भी मध्यप्रदेश के शहर बाजी मारेंगे। राजधानी भोपाल देश के सबसे स्वच्छ शहरों में दूसरे नंबर पर रहेगा। साथ ही सबसे स्वच्छ राजधानी का तमगा भी फिर मिलने की उम्मीद है।

भोपाल में कार ने 3 बाइक सवारों को मारी टक्कर

इलाज के दौरान बुजुर्ग की मौत, लिफ्ट लेकर जा रहे थे

भोपाल। राष्ट्रबाण

भोपाल के बगरोदा औद्यौगिक क्षेत्र में एक तेज रफ्तार अज्ञात कार ने बाइक सवार तीन लोगों को टक्कर मार दी। हादसा मंगलवार की रात का है। तीनों घायलों को एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां पर बुधवार की तड़के सुबह एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक के साथ हादसे में दोनों घायल साथियों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। एसआई धनराज धुर्वे ने बताया कि सलामतपुर जिला रायसेन निवासी कल्याण सिंह पुत्र माधव सिंह (55) बगरोदा औद्यौगिक क्षेत्र स्थित एक निर्माणाधीन फैक्ट्री में चौकीदारी करता था। मंगलवार रात करीब आठ बजे उन्होंने अपने साथी तुलाराम के साथ औद्योगिक क्षेत्र में एक बाइक पर लिफ्ट ली, जिसे तरावली गुनगा निवासी नीतू सिंह चला रहा था।

पीछे से तेज रफ्तार कार ने टक्कर मारी

जैसे ही वह कुछ दूर पहुंचे, तभी किसी अज्ञात कार ने उनकी बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे की सूचना पर एम्बुलेंस ने तीनों को एम्स में भर्ती कराया। जहां पर बुधवार की तड़के सुबह कल्याण सिंह की उपचार के दौरान मौत हो गई। जबकि तुलाराम और नीतू सिंह की हालत गंभीर बनी हुई है। दोनों का उपचार चल रहा है।

राष्ट्रबाण
सिवनी, गुरुवार 17 जुलाई 2025

जबलपुर राष्ट्रबाण

• सोहगपुर • ब्योहारी • जयसिंहपुर • जैतपुर

युवती बोली- बैड टच किया, धर्मांतरण के लिए धमकाया

जबलपुर। राष्ट्रबाण

मैं साईं फिटनेस जिम में जॉब करती हूं। यहां एक ट्रेनर है, जिसका नाम अमन खान है। वह प्रैक्टिस के दौरान बेड टच करता है। जबरन धर्मांतरण के लिए मजबूर कर रहा है। गालियां देते हुए धमका रहा है कि तेरा जिम आना बंद करवा दूंगा। पहले भी कुछ लड़कियां उससे डरकर जिम से जॉब छोड़ चुकी हैं। उस पर कड़ी कार्रवाई की जाए। ये बात जबलपुर की एक युवती ने मंगलवार देर रात आधारताल थाना प्रभारी प्रवीण कुमरे से कही। वह हिंदू टाइगर फोर्स के कार्यकर्ताओं के साथ थाने पहुंची थी।

इन कार्यकर्ताओं ने थाने का घेराव कर दिया। आरोपी की तुरंत गिरफ्तारी और उसके खिलाफ कड़े एक्शन की मांग की। पुलिस ने जैसे-तैसे कार्यकर्ताओं को समझाया और आरोपी को गिरफ्तार करने जिम पहुंची लेकिन वह भाग निकला। पुलिस उसके घर समेत हर संभावित ठिकानों पर तलाश कर रही थी। इसी बीच पता लगा कि अमन जिम में सामान उठाने गया है। पुलिसकर्मी फौरन वहां पहुंचे और अमन को गिरफ्तार कर लिया।

धर्म बदलने के फायदे बताता था अमन

युवती ने पुलिस से कहा- मैंने दो माह पहले ही रिसेप्शन की पोस्ट पर जॉब शुरू की थी। अमन वहां लड़कियों को ट्रेनिंग देता था। उसने मुझे बेड टच किया तो मैंने फिटनेस सेंटर के मालिक से शिकायत की। इस पर अमन गाली-गलौज करने लगा। धमकी देने लगा। वो बात करने के बहाने अपने धर्म की विशेषताएं बताता और कहता- हमारे धर्म को अपनाती हो तो तुम्हें बहुत फायदा होगा।

जहां महिला ट्रेनर नहीं, ऐसे जिम बंद कराने की मांग

हिंदू टाइगर फोर्स की सदस्य संजना विश्वकर्मा ने कहा- लंबे समय से सूचना मिल रही थी कि जिम में ट्रेनिंग के दौरान लड़कियों के साथ बेड टच किया जाता है। डर के कारण कोई शिकायत नहीं कर रहा था। हमने प्रशासन से मांग की है कि जिस जिम में महिला ट्रेनर नहीं है, वे बंद होने चाहिए। वहीं, मुकेश रजक ने बताया कि ट्रेनर का असली नाम अमन खान है, लेकिन वह जिम में आने वाली लड़कियों को अपना नाम अमन राज बताता था।

मध्य प्रदेश के पैरामेडिकल कॉलेज की मान्यता प्रक्रिया पर रोक

हाईकोर्ट ने दिया आदेश, बैकडेट में दी जा रही थी 2023 सत्र की मान्यता

जबलपुर। राष्ट्रबाण

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने पैरामेडिकल कॉलेजों की मान्यता को लेकर सुनवाई करते हुए बड़ा आदेश दिया है। कोर्ट ने उन कॉलेजों की मान्यता प्रक्रिया पर रोक लगा दी है, जो बिना नियमों के मान्यता दे रहे थे। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि मध्यप्रदेश में जितने भी पैरामेडिकल कॉलेज हैं, उनकी मान्यता प्रक्रिया पर फिलहाल रोक लगाई जाती है। याचिकाकर्ता ने कोर्ट को बताया कि कॉलेजों को सत्र 2023 की मान्यता बैकडेट में दी जा रही थी। इसके अलावा, मेडिकल यूनिवर्सिटी में एनरोलमेंट के बिना ही छात्रों को दाखिले दिए जा रहे थे।

नर्सिंग की तरह पैरामेडिकल कोर्स में भी फर्जीवाड़ा

इस मामले की सुनवाई नर्सिंग घोटाले से जुड़ी जनहित याचिका के दौरान हुई। लॉ स्टूडेंट्स एसोसिएशन ने शुक्रवार को हाईकोर्ट में एक अतिरिक्त आवेदन पेश किया, जिसमें बताया गया कि नर्सिंग की तरह ही पैरामेडिकल कोर्स में भी बड़े पैमाने पर गड़बड़ी हो रही है। आवेदन में बताया गया कि एमपी पैरामेडिकल काउंसिल ने 2023-24 और 2024-25 सत्र की मान्यता बिना किसी जांच या निरीक्षण के बांट दी।

बिना संबद्धता के अवैध दाखिले, सीबीआई की रिपोर्ट को भी किया नजरअंदाज

यह भी आरोप लगाया गया कि कई सरकारी और निजी पैरामेडिकल कॉलेज बिना यूनिवर्सिटी की संबद्धता के अवैध रूप से छात्रों को एडमिशन दे रहे हैं। जिन कॉलेजों को नर्सिंग घोटाले की जांच में सीबीआई ने अनसूटेबल बताया था, उन्हीं इमारतों में अब पैरामेडिकल कॉलेज चलाए जा रहे हैं और उन्हें मान्यता दी जा रही है।

नई जनहित याचिका दर्ज करने के निर्देश दिए थे

हाईकोर्ट ने इस गंभीर मामले को स्वत: संज्ञान में लेते हुए शुक्रवार को निर्देश दिए थे कि याचिकाकर्ता का नया आवेदन अलग जनहित याचिका (पीआईएल) के रूप में पंजीबद्ध किया जाए। साथ ही, मध्यप्रदेश पैरामेडिकल काउंसिल के चेयरमैन और रजिस्ट्रार को भी इस मामले में पक्षकार बनाने के निर्देश दिए गए हैं।

अगली सुनवाई 24 जुलाई को

हाईकोर्ट ने पूरे प्रदेश के पैरामेडिकल कॉलेजों की मान्यता और एडमिशन प्रक्रिया पर रोक लगाते हुए अगली सुनवाई की तारीख 24 जुलाई तय की है। इस दिन सभी नर्सिंग घोटालों से जुड़ी याचिकाओं पर भी सुनवाई होगी। बता दें, मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री डॉ. राजेंद्र शुक्ला पैरामेडिकल काउंसिल के पदेन चेयरमैन हैं।

जबलपुर में सड़क पर भिड़े 2 युवक, मारपीट हुई

महिला ने भी चप्पलों से पीटा, शहर के तिलवारा की घटना

जबलपुर। राष्ट्रबाण

जबलपुर के सगड़ा क्षेत्र में दो युवकों के बीच सरेआम जमकर मारपीट हुई। हैरानी की बात यह रही कि मौके पर मौजूद एक महिला ने भी एक युवक को चप्पलों से पीटा। घटना सोमवार की बताई जा रही है, लेकिन बुधवार को जब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया तो पुलिस हरकत में आई। वीडियो में दिख रहे दोनों युवक और महिला की पहचान की कोशिश की जा रही है, लेकिन अब तक उनका पता नहीं चल पाया है। तिलवारा थाना पुलिस ने वीडियो के आधार पर सड़क पर मारपीट करने वालों की तलाश शुरू कर दी है।

10 मिनट तक सड़क पर चलता रहा विवाद

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों युवक आपस में झगड़ रहे थे। कोई कह रहा है कि वे शराब के नशे में थे, तो कुछ लोगों का कहना है कि विवाद पैसों के लेनदेन को लेकर हुआ। मारपीट करीब 10 मिनट तक चलती रही। इस दौरान एक महिला भी मौके पर पहुंची और उसने एक युवक को चप्पलों से पीटना शुरू कर दिया। बाद में जब आसपास भीड़ जुट गई तो दोनों युवक अपने-अपने रास्ते चले गए।

पुलिस ने बताया- थाने में शिकायत नहीं आई

एएसपी सूर्यकांत शर्मा ने बताया कि इस घटना की जानकारी मीडिया के माध्यम से मिली है। वीडियो में जो लोग दिखाई दे रहे हैं, उनकी पहचान की जा रही है। तिलवारा थाने में अभी तक किसी भी पक्ष ने

सांप के काटने से बढ़ जाता है हार्टफेल का खतरा

सबसे पहले करें ये उपाय और जल्द से जल्द डॉक्टर के पास जाएं

जबलपुर। राष्ट्रबाण

हम सभी ने कभी न कभी कोई सांप जरूर देखा होता है। सांप एक ऐसा जीव है, जिसे देखते ही लोग डर से कांपने लगते हैं। इंसानों के साथ-साथ हमारी पृथ्वी कई सारे जीव-जंतुओं का भी घर है। सांप इन्हीं में से एक है, जो शिकार का पता लगाने के लिए अपनी सूंघने की शक्ति पर बहुत अधिक निर्भर करते हैं। सर्प विशेषज्ञ बताते हैं कि स्नेक के बारे में पढ़ेंगे तो लोगों की जान बचाने में आसानी होगी। अगर व्यक्ति को सांप ने डसा है और डसने वाले सांप की प्रजाति पता है तो डॉक्टर को इलाज करने में सुविधा होती है। इलाज संभव हो पाता है। जहर से कम अंधविश्वास से ज्यादा मौतें होती हैं।

सांप पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण

सांपों को अक्सर नकारात्मक रूप से देखा जाता है, लेकिन वे पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे कृंतकों और अन्य छोटे जानवरों की आबादी को नियंत्रित करने में मदद करते हैं, जिससे फसलों और मनुष्यों के लिए खतरा कम होता है। सांपों के जहर का उपयोग चिकित्सा में भी किया जाता है।

सांप डंसे तो स्वयं को शांत रखें

सांप के डसने पर स्वयं को शांत रखकर दिल के धड़कन को समान्य रखें, जिससे जहर शरीर में ज्यादा नहीं फैलेगा। डसने वाले स्थान से कपड़े हटा दें नहीं तो सूजन हो सकती है। रोगी को जितनी जल्दी हो सके अस्पताल ले जाएं, तो बचने की संभावना है। खून के रुकने के बाद साबुन और गुनगुने पानी से धोएं। बच्चे, वृद्ध और रोगियों में असर ज्यादा होता है।

बिलकुल ना लें तांत्रिक का सहारा

लोग सांप के जहर से नहीं, समय पर इलाज न मिलने और अंधविश्वास के कारण मरते हैं। अगर पीड़ित को तुरंत अस्पताल पहुंचाया जाए तो अधिकांश मौतें टाली जा सकती हैं। झाड़फूंक से कोई भी ठीक नहीं हो सकता है। अत: तांत्रिक का सहारा ना लेकर डॉक्टर के पास पहुंचने का प्रयास करें।

विश्व सर्प दिवस का इतिहास

हर साल 16 जुलाई को पूरी दुनिया में विश्व सांप दिवस यानी वर्ल्ड स्नेक डे मनाया जाता है। इस दिन को मनाने की शुरुआत सबसे पहले साल 1970 हुई है। दरअसल, ऐसा माना जाता है कि साल 1967 में टेक्सास में सांपो के लिए एक फर्म की शुरुआत हुई, जो धीरे-धीरे 1970 तक काफी मशहूर हो गई और इस तरह इस दिन की शुरुआत हुई।

एंटी स्नैक वेनम शासकीय अस्पताल में निशुल्क

● डॉ संदीप भगत बताते हैं कि सांप का विष लार का एक अत्यधिक परिवर्धित रूप है, जो मुख्य रूप से प्रोटीन और पालीपेप्टाइड्स से निर्मित होता है। सांप के डंसने के बाद मिचली, उल्टी और घबराहट होती है। खून के थक्का बनने की प्रक्रिया थम जाती है। हार्ट फेल होने का खतरा बढ़ जाता है।

● ऐसे लक्षण विष के एंजाइम 'फास्को लिपेस ए-2' के चलते सामने आते हैं। विष के असर को कम करने के लिए एंटी स्नैक वेनम का इस्तेमाल किया जाता है, जो शासकीय अस्पताल में निशुल्क उपलब्ध है और बाजार में एक हजार के करीब मिलता है।

● विज्ञान महाविद्यालय की प्राणीशास्त्र विभाग की डॉ सुनीता शर्मा ने बताया कि आमतौर पर सांप इंसानों से डरते हैं और तभी हमला करते हैं, जब उन्हें ऐसा लगे कि उन पर खतरा है।

जर्जर भवन की शिकायत की तो महिला को पीटा

पड़ोसी साथियों के साथ पीड़िता के घर पहुंचा, पत्थर फेंके, धमकी भी दी

जबलपुर। राष्ट्रबाण

बारिश के मौसम में जबलपुर नगर निगम जर्जर मकानों को गिराने का काम कर रहा है। इसी दौरान भारत कॉलोनी की एक महिला ने नगर निगम को सूचना दी कि उनके पड़ोस में एक पुराना और कमजोर मकान है, जिसमें कुछ लोग रह रहे हैं। अगर मकान गिरा तो बड़ा हादसा हो सकता है। नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची, जांच की और लौट गई। लेकिन इसके बाद दो दिन तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। जब इस बात की जानकारी उस मकान के मालिक को लगी तो वह नाराज हो गया। महिला का आरोप है कि पड़ोसी छोटू सोनी उनके घर आया, गाली-गलौच की और पत्थर फेंके।

जिससे वह और उनका परिवार बाल-बाल बच गया। इतना ही नहीं, 11 जुलाई को छोटू सोनी अपने साथियों आयुष और जय के साथ आया और महिला के पति के साथ लाठी-डंडों से मारपीट की। इसके बाद धमकी देकर फरार हो गया। पीड़ित महिला का नाम सीमा श्रीवास्तव है। उन्होंने बताया कि जिस जर्जर मकान की शिकायत उन्होंने की थी, उसकी दीवार उनके मकान से सटी हुई है। हादसे की स्थिति में दोनों परिवारों को खतरा है। इसीलिए उन्होंने निगम को सूचना दी थी। सीमा श्रीवास्तव ने यह शिकायत जबलपुर एएसपी सूर्यकांत शर्मा से की और घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सौंपा। एएसपी सूर्यकांत शर्मा ने गढ़ा थाना प्रभारी को निर्देश दिए हैं कि महिला की शिकायत की गंभीरता से जांच की जाए और जिन लोगों के नाम सामने आए हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

आरक्षण के आधार पर पदोन्नति देने के नियम को चुनौती के मामले में नहीं हुई सुनवाई

जबलपुर। राष्ट्रबाण

मध्य प्रदेश में आरक्षण के आधार पर पदोन्नति देने के नियम को चुनौती देने के मामले में मंगलवार को सुनवाई नहीं हुई। दरअसल, कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा की युगलपीठ के समक्ष यह मामला निर्धारित था। न्यायमूर्ति सचदेवा की अनुपस्थिति के चलते मामले की सुनवाई नहीं हो सकी। इस मामले में विगत सात जुलाई को हाई कोर्ट ने मुख्य सचिव सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने अंडरटेकिंग दी थी कि अगली सुनवाई तक उक्त पॉलिसी के तहत किसी को प्रमोशन नहीं दिए जाएंगे। याचिकाकर्ता भोपाल

निवासी डा. स्वाति तिवारी सहित अन्य की ओर से अधिवक्ता सुयश मोहन गुरु सहित अन्य पक्ष रख रहे हैं। उनकी दलील है कि वर्ष 2002 के नियमों को हाई कोर्ट के द्वारा आरबी राय के केस में समाप्त किया जा चुका है। इसके विरुद्ध मध्य प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दायर की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में यथास्थिति बनाए रखने के आदेश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट में मामला अभी लंबित है, इसके बावजूद सरकार ने नियम बना दिए। सरकार ने बनाए नियमज सामान्य वर्ग ने किया विरोध पदोन्नति पर रोक वर्ष 2016 में हाई कोर्ट जबलपुर के

मध्य प्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम 2002 को निरस्त करने के समय से लगी हुई थी। इस बीच एक लाख से अधिक अधिकारी-कर्मचारी बिना पदोन्नत हुए सेवानिवृत्त हो गए। कर्मचारी लगातार यह मांग उठाते रहे कि सरकार कोई रास्ता निकाले। मोहन सरकार ने सभी प्रभावित पक्षों से संवाद करके नए नियम बनाए, जिसका सामान्य वर्ग के कर्मचारियों ने इस आधार पर विरोध किया कि इसमें वही सब प्रावधान किए गए, जो पुराने नियम में थे। कोर्ट ने सुनवाई के बाद नए नियम के क्रियान्वयन पर रोक लगाते हुए पुराने और नए नियम में अंतर का चार्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। सामान्य प्रशासन विभाग ने इन्हें तैयार करके महाधिवक्ता कार्यालय को उपलब्ध कराया है, जिसके आधार पर मंगलवार को न्यायालय के समक्ष सरकार का पक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

गलत नियम जब माने तो पदावनत भी करें

उधर, सपाक्स के संस्थापक अध्यक्ष केपीएस तोमर का कहना है कि जब सरकार ने नए नियम बना लिए तो पुराने नियम को निरस्त किए जाने के निर्णय को चुनौती देने वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट से वापस क्यों नहीं ली गई। यदि सशर्त पदोन्नति ही देनी थी तो फिर नौ वर्ष तक कर्मचारियों को मानसिक प्रताड़ना क्यों दी गई। 2002 के नियम से जो पदोन्नतियां हुईं, उन्हें पदावनत क्यों नहीं किया जा रहा है?

15 दिन पहले प्रेमी के साथ भागी थी युवती

जबलपुर। राष्ट्रबाण

शादी करने पहुंचे प्रेमी जोड़े के साथ थाने के सामने ही मारपीट की गई। यहां एक युवक-युवती को फिल्मी अंदाज में कुछ युवकों ने घेर लिया। बीच सड़क उन पर युवक टूट पड़े। इससे अफरा-तफरी और चीख पुकार मच गई। दोनों ओर से गुजर रहे लोगों का हुजूम लग गया। काफी देर तक झूमाझटकी और मारपीट चली, तभी ओमती पुलिस वहां पहुंच गई। पता चला कि जिसे घेरा गया वह प्रेमी जोड़ा था और मारपीट झूमाझटकी करने वाले युवती के स्वजन। इसके बाद ओमती पुलिस ने रीवा पुलिस को सूचना दी। रीवा निवासी एक युवती 15 दिनों पूर्व लापता हो गई। परिजनों ने स्थानीय थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई। वे उसकी तलाश कर रहे थे, इस दौरान जानकारी लगी कि वह एक युवक के साथ जबलपुर में देखी गई है और वह कोर्ट मैरिज की तैयारी कर रही है। यह पता चलते ही परिजन जबलपुर पहुंचे। कलेक्ट्रेट के पास से युवती और उसका प्रेमी निकले, तो युवती के परिजनों ने रोकने का प्रयास किया, लेकिन वे नहीं रूके। पीछा कर युवती के परिजनों ने उन्हें ओमती थाने के सामने घेरकर पकड़ लिया।

कहा था- रुपए नहीं मिले तो ऐसा पत्र बनाऊंगी कि हाईकोर्ट में अपील नहीं कर पाओगे

जबलपुर में 15 हजार रिश्वत लेते पकड़ाई सरकारी वकील

जबलपुर। राष्ट्रबाण

जबलपुर में लोकायुक्त पुलिस ने जिला कोर्ट में पदस्थ अतिरिक्त लोक अभियोजक को 15 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया। सरकारी वकील का नाम कुक्कू दत्त (59) है। उन्होंने शिकायतकर्ता से पुन- अपील दायर करवाने के लिए दस्तावेजों में साइन करने के बदले रिश्वत मांगी थी। मंगलवार को अतिरिक्त लोक अभियोजक कुक्कू दत्त ने बिहारी लाल को रिश्वत के रुपए लेकर सिविल लाइन स्थित घर बुलाया था।

जैसे ही उन्होंने रुपए लिए, लोकायुक्त की टीम ने कार्रवाई की। बता दें कि शिकायतकर्ता कई दिन से लोक अभियोजक के चक्कर काट रहा था। लेकिन, वह बिना पैसे लिए काम करने को तैयार नहीं थी। उसने कहा था कि रुपए नहीं मिले तो ऐसा पत्र बनाऊंगी कि आगे अपील नहीं कर पाओगे। इसकी शिकायत जबलपुर लोकायुक्त एसपी से की गई थी।

जिला कोर्ट के आदेश के खिलाफ अपील करना था

शिकायतकर्ता बिहारी लाल रजक का कहना है कि वर्ष 2022 में उसने एक अपराध पंजीकृत करवाया था। जिसकी सुनवाई के दौरान कोर्ट ने आरोपी को बेगुनाह साबित कर दिया था। इस पूरे प्रकरण में बिहारी लाल रजक की तरफ से अतिरिक्त लोक अभियोजक कुक्कू दत्त ने पैरवी की थी। कोर्ट ने जब आरोपी को दोषमुक्त कर दिया तो शासन की तरफ से कुक्कू दत्त को अपील के आदेश प्राप्त हुए। इसी अपील को बिहारी लाल रजक के पक्ष में बनाने के लिए रुपए की डिमांड की जा रही थी।

इन धाराओं में की कार्रवाई

लोकायुक्त डीएसपी नीतू त्रिपाठी ने बताया कि लोकायुक्त पुलिस ने रिश्वत के रुपए के साथ आरोपी को पकड़ा है। उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम1988 (संशोधन) 2018 की धारा-7, 13(1) बी, 13 (2) के अंतर्गत कार्रवाई की है।

राष्ट्रबाण
सिवनी, गुरुवार 17 जुलाई 2025

बैतूल राष्ट्रबाण
● मुलताई ● बैतूल बाजार ● आमला ● भैंसादंड ● सारणी ● बोरदई ● आठनेर

कम दाम के लालच में ठगों के हाथ में न दें अपने जेवरः सराफा संघ

नकली सराफा व्यापारियों से सावधान रहने की अपील

बैतूल। राष्ट्रबाण

जिले के ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में बीते कुछ समय से नकली सराफा व्यापारियों द्वारा ठगी की घटनाएं बढ़ रही हैं। कम दाम और झूठे वादों के फेर में फंसाकर सीधे-सादे ग्रामीणों से सोना-चांदी के जेवर ठगे जा रहे हैं। इस बढ़ती ठगी को लेकर अब सराफा संघ

हरकत में आ गया है। सराफा संघ ने जिले के सभी ग्राहकों, विशेषकर आदिवासी भाई-बहनों से सावधान रहने की अपील की है।

सराफा संघ बैतूल के अध्यक्ष अरुण गोठी ने जिले के सभी ग्राहकों से विनम्र अपील की है कि वे सिर्फ प्रतिष्ठित और पुराने सराफा व्यापारियों से ही लेनदेन करें। अरुण गोठी ने कहा कि बैतूल आदिवासी बाहुल्य जिला है जहां के ग्रामीण और आदिवासी भाई-बहन अपने सुख-दुख के साथी के रूप में जेवर को सुरक्षित रखते हैं और जरूरत पड़ने पर उन्हीं जेवरों से ऋण लेकर अपनी आवश्यकताएं पूरी करते हैं।

उन्होंने कहा कि सोने-चांदी के लेनदेन में खरीदार और विक्रेता दोनों ही व्यापारी की तरह होते हैं, इसलिए सभी को सोच-समझकर व्यवहार करना चाहिए। अरुण गोठी ने कहा कि कम भाव में जेवर खरीदने का झांसा देकर कुछ असामाजिक तत्व ग्रामीणों से ठगी कर रहे हैं। कोई भी ईमानदार व्यापारी बाजार भाव से कम मूल्य में व्यापार नहीं करता। अगर कोई करता है, तो समझ लीजिए कि वह आपके साथ धोखाधड़ी कर रहा है।

प्रतिष्ठित सराफा व्यवसायियों से ही लेनदेन करें

ग्रामीणों और आदिवासियों से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि गांव में वर्षों से व्यापार कर रहे प्रतिष्ठित सराफा व्यवसायियों से ही लेनदेन करें। जिनकी गांव में साख हो, जो हमेशा आपको जेवर का सही वजन बताएं, बाजार का उचित भाव दें, लेबर चार्ज स्पष्ट करें, जिनके पास जीएसटी नंबर हो और जो आपको सही बिल उपलब्ध कराएं सिर्फ उन्हीं व्यापारियों पर भरोसा करें।

अरुण गोठी ने स्पष्ट किया कि अगर कोई नया या अनजान व्यापारी आपको कम भाव में जेवर खरीदने या बेचने का प्रलोभन देता है तो तुरंत पुलिस को सूचना दें या सराफा संघ बैतूल को सूचित करें। संघ पुलिस के सहयोग से ऐसे तत्वों पर सख्त कार्रवाई करेगा ताकि किसी भी ग्रामीण या आदिवासी के साथ ठगी न हो सके।

उन्होंने कहा कि जिले में सोना-चांदी का व्यापार पारंपरिक और विश्वास पर आधारित है। इसे ठगों से बचाने के लिए जागरूकता जरूरी है। इसलिए हर ग्राहक का यह कर्तव्य है कि वह अपने गांव, समाज और परिवार को नुकसान से बचाए और सतर्क रहकर ही लेनदेन करे।

नायब तहसीलदार पर रिश्वत का आरोप

नक्शा दुरुस्ती में की गई गड़बड़ी का मामला, पीड़ितों ने कलेक्टर, एसपी से की शिकायत

बैतूल। राष्ट्रबाण

नक्शा दुरुस्ती की कार्यवाही में अनियमितता, रिश्वत की मांग और न्यायालय के आदेश की अवहेलना जैसे गंभीर आरोपों को लेकर शिकायतकर्ता इन्दु मालवी, आशा भूमरकर, वंदना साहू, मुकेश ठाकुर, कमल पिता स्व नवलकिशोर एवं पुष्पा पति स्व नवलकिशोर द्वारा कलेक्टर जनसुनवाई और एसपी से शिकायत की गई है।

आवेदकों ने आरोप लगाया है कि नायब तहसीलदार बैतूल-2, पटवारी हल्का बडोरा सहित अन्य अनावेदकों ने मिलकर नक्शा दुरुस्ती की प्रक्रिया में कूट रचना और भ्रष्टाचार किया है। अनावेदक राजेश ने तहसील कार्यालय में खसरा नंबर 104/98, रकबा 0.084 हेक्टेयर, मौजा बडोरा की

भूमि का नक्शा दुरुस्त करवाने आवेदन प्रस्तुत किया था। यह भूमि उसने विक्रय पत्र के आधार पर खरीदी थी, परंतु आवेदन में केवल छायाप्रति संलग्न थी, खसरा किश्तबंदी जैसी जरूरी जानकारी नहीं दी गई थी।

इस आवेदन पर सुनवाई करते हुए नायब तहसीलदार ने सभी आवेदकगण को नोटिस जारी किया। आवेदकों ने आपत्ति प्रस्तुत करते हुए दस्तावेज और तर्क रखे, परंतु तहसीलदार ने पटवारी से बिना आपत्तियों को संज्ञान में लिए प्रस्तावित नक्शा बुलवाकर उच्च अधिकारियों को भेज दिया। अपर कलेक्टर बैतूल ने 26 मई 2025 को आदेश दिया था कि धारा 115 (2)(ख) के अंतर्गत गुण-दोष के आधार पर निर्णय लिया जाए, लेकिन तहसीलदार ने इसे नजरअंदाज कर मनमानी की।

सभी पक्षों की सुनवाई 3 जुलाई 2025 को तय की गई थी, जिसमें आवेदकों के अधिवक्ता ने मूल दस्तावेज बुलवाकर प्रतिपरीक्षण की मांग की, लेकिन पटवारी और अनावेदक राजेश दस्तावेज लेकर उपस्थित नहीं हुए। उल्टा तहसीलदार ने आवेदकों से कहा कि 50 हजार रुपये दो, तो नक्शा दुरुस्ती का आवेदन निरस्त कर देंगे। जब आवेदकों ने इस प्रस्ताव का विरोध किया, तब उन्होंने 3 जुलाई को ही न्यायालय के समक्ष वाद क्र. 0224ए/2025 पेश किया और नक्शा दुरुस्ती की कार्यवाही पर स्थगन की मांग की। इस बीच तहसीलदार ने दिनांक 14 जुलाई 2025 की सुनवाई की तारीख होने के बावजूद, आदेश पत्रिका में कूटरचना कर 7 जुलाई 2025 को ही अनावेदक राजेश के पक्ष में आदेश पारित कर दिया। यह आदेश न तो आवेदकों को प्रतिपरीक्षण का अवसर दिया गया और न ही न्यायालय में प्रस्तुत स्थगन वाद का इंतजार किया गया।

दस्तावेज में की कूटरचना

आवेदकों का आरोप है कि नायब तहसीलदार ने न्यायालय की अवमानना की आदेश पत्रिका में दिनांक काटकर फेरबदल कर आदेश जारी किया, जो कि कूटरचना और भ्रष्टाचार का गंभीर मामला है। पटवारी ने फर्जी नक्शा तैयार कर पेश किया, और विक्रय पत्र की सिर्फ छायाप्रति लगाकर फर्जीवाड़ा किया गया। आवेदकों ने मांग की है कि इस मामले में अनावेदकों के विरुद्ध धोखाधड़ी, न्यायालय की अवमानना, कूटरचना, भ्रष्टाचार और मिलीभगत के तहत एफआईआर दर्ज की जाए तथा नायब तहसीलदार को तत्काल निलंबित किया जाए।

बैद्यनाथ धाम देवघर की कावड़ यात्रा

आस्था, विश्वास और सेवा का संगम

बैतूल। राष्ट्रबाण

कांवड़ यात्रा श्रावण (सावन) के पवित्र माह में होने वाली आस्था और सनातन परंपरा अदभुत और अद्वतीय तीर्थयात्रा है, जिसमें भक्त गंगाजल भरकर झारखंड प्रदेश के देवघर में स्थित बाबा बैद्यनाथ मंदिर जाते हैं। हिंदुस्तान में कावड़ यात्रा कई प्रकार की होती है, जिसमे प्रमुख चार प्रकार की कांवड़ यात्राएँ प्रसिद्ध है। इसमें से पहली जो हम सभी करते है वो सामान्य कांवड़ यात्रा। दूसरी खड़ी कांवड़ यात्रा। तीसरी डाक कांवड़ और चौथी दंड लगाकर की जाने वाली कांवड़ यात्रा है। इन कांवड़ यात्राओं के कई कड़े नियम भी जिसे कई श्रद्धालु बड़े ही श्रद्धाभाव से पूर्ण करते है। इस साल यह कांवड़ यात्रा 11 जुलाई से शुरू होकर 23 जुलाई को सावन की शिवरात्रि के दिन पूर्ण होगी। बिहार झारखंड और उत्तरप्रदेश में इन कावड़ यात्राओं का एक अलग ही महत्व है। इसमें हिंदू धर्म को मानने वाले सभी संप्रदायों के साथ साथ सभी जाति-धर्म के लोग बड़े उत्साह से हिस्सा लेते है, विशेषकर बिहारी भाषी पुरुष और महिलाएं अपने ही रंग में नजर आते है। इस यात्रा का सामाजिक और आर्थिक दोनों ही दृष्टि से विशेष महत्व है। यह यात्रा पूरे हिंदुस्तान के करोड़ो श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित करती है। यह कावड़ यात्रा भगवान शिव के प्रति हिंदू श्रद्धालुओं के समर्पण को भी दर्शाती है। इस यात्रा के दौरान कावड़ यात्री मिट्टी, प्लास्टिक एवं मेटल के बने घड़ों में गंगा नदी से पवित्र जल भरते हैं। वे इन घड़ों को बाँस से बनाई गई सुंदर- सुंदर कावड़ के सहारे अपने कंधों पर बड़ी श्रद्धा और भक्ति के साथ धारण करते है। सनातन परंपरा के अनुसार कावड़ यात्रा के सभी कड़े नियमों का पालन करते हुए यात्री जोर जोर से बोल बम, बोल बम और हर हर महादेव का जयकारा लगाते हुए अपनी-अपनी कावड़ लेकर पैदल वो भी नंगे पैर चलते हैं, जिसे %काँवर% भी कहा जाता हैं। यह यात्रा श्रावण मास में विशेष रूप से महत्वपूर्ण होती है, जब लाखों की संख्या में शिव भक्त इस यात्रा को करते हैं श्रावण मास में कांवड़िए इस पवित्र जल को लेने

के लिए सुल्तानगंज (बिहार) से अपनी इस यात्रा को प्रारम्भ करते है। पुराणों में लिखी मान्यताओं के अनुसार सुल्तानगंज में गंगा नदी उत्तरायण या उत्तरवाहिनी हो जाती है यानी कि उत्तर दिशा में बहती है। सुल्तानगंज एक विशेष और पवित्र स्थान है, जहाँ गंगा नदी उत्तर दिशा की ओर बहती है, जबकि सामान्यतः यह दक्षिण-पूर्व दिशा में बहती है। गंगा का यह प्रवाह अजगैबीनाथ मंदिर के पास से होता है, इसलिए इसे उत्तरवाहिनी गंगा का उदगम भी माना जाता है। इसी कारण यूपी का सुल्तानगंज भी श्रद्धालुओं के लिए पवित्र स्थान बन गया हैं। यहीं से श्रद्धालु अपने कांवड़ में जल भरते हैं और पवित्र गंगा जल को अपने कंधों पर उठाकर बाबाधाम स्थित बाबा बैद्यनाथ मंदिर तक 110 किलोमीटर पैदल यात्रा के लिए निकलते हैं। कांवड़ यात्रा भक्तों के लिए भगवान शिव के प्रति अपनी आस्था और भक्ति व्यक्त करने का एक अदभुत तरीका है। बैजनाथ धाम 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है, जहां जलाभिषेक करने के लिए लाखों श्रद्धालु देश भर से यहां आते हैं। बाबा बैद्यनाथ मंदिर को शक्तिपीठ भी कहा जाता है और यहां सच्चे मन से मांगी गई सभी मनोकामनाएं पूरी होती है। यह मंदिर जो 72 फीट ऊंचा है,देवघर के 22 मंदिरों के परिसर में स्थित है।

बाबा बैद्यनाथ धाम में सुल्तानगंज से लाकर गंगा जल चढ़ाने के पीछे पौराणिक कथाएं भी है। ऐसा कहा जाता कि भगवान श्रीराम ने सबसे पहले सुल्तानगंज से गंगा जल भरकर देवघर बाबा की यात्रा की थी और इसके बाद से ही इस आध्यात्मिक यात्रा की शुरुआत हुई। एक मान्यता ये भी है कि लंका के राजा रावण ने इस जगह पर रखे शिवलिंग को अपनी पूरी ताकत से दोबारा उठाने का प्रयास किया लेकिन जब रावण से शिवलिंग इंच मात्र भी नहीं हिला तो इसके बाद रावण ने क्रोधित होकर शिवलिंग पर अंगूठा गड़ा दिया और क्रोधित होकर वहाँ से लौट गया। रावण के लौटते ही ब्रह्मा, विष्णु सहित सभी देवी-देवता वहां पहुंचे और बड़े ही श्रद्धा भाव से शिवलिंग की पूजा अर्चना की। मान्यताओं के अनुसार इस तरह बैद्यनाथ धाम में शिवलिंग की स्थापना हुई। बाबा बैद्यनाथ जी के दर्शन कर गंगा जल अर्पण करने के साथ ही कांवड़ियों की पैदल यात्रा संपन्न होती है। इसके बाद देवघर से 42 किलोमीटर दूर दुमका जिले में विराजे बाबा वासुकीनाथ के दर्शन कर इस पूरी यात्रा को यहाँ विराम दिया जाता है। फिर श्रद्धालुगण अपने-अपने साधनों से अपने घरों को लौटते है।

वानर की वाहन एक्सिडेंट से हुई मौत

सारनी, एजेंसी।

पाथाखेडा नगर के वार्ड 29 में चिमटा वाले बाबा के सामने रोड पर हुआ एक्सीडेंट बंदर अज्ञात वाहन की चपेट में आकर मृत्यु हो गई। पशु प्रेमी एवं धार्मिक आस्था वाले बजरंगियों ने बंदर की मौत हो जाने के बाद हिंदू रीति-रिवाज के साथ उसका अंतिम संस्कार किया। मामला वार्ड 29 का है स्थानीय लोगो ने बताया कि एक काला मुंह का बंदर किसी वाहन की चपेट में आकर मृत हो गया। नीचे गिरने पर कुत्तों ने भी उस पर हमला कर दिया। जिससे बंदर बुरी तरह से जख्मी हो गया। स्थानीय लोगों की नजर बंदर पर पड़ी तो उन्होंने तत्काल इसकी सूचना

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के प्रखंड मंत्री राहुल डढोरे को दी और राहुल डढोरे अपने सभी कार्यकर्ता के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और वन विभाग को सूचना दी बंदर को हनुमान जी का प्रतिरूप माना जाता है। ऐसे में विश्व हिंदू परिषद प्रखंड अध्यक्ष राणा सिंह प्रखंड संयोजक निशांत भंडारे बजरंग दल के प्रखंड गौ रक्षा प्रमुख प्रदीप राठौड़ नगर संयोजक दीपक शुर्यवंशी ने बंदर को हिंदू रीति-रिवाज के साथ उसे अंतिम विदाई देने का कार्य किया। जिसके बाद बंदर के शव को सम्मानपूर्वक हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार मोक्ष देने का कार्य किया गया और उसकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई, इस घटना से पता चलता है कि पशु प्रेम और सम्मान की भावना किसी भी सीमा को पार कर सकती है।

एसआईएफ बैतूल ने मुलताई थाना प्रभारी से की मुलाकात, अभियान की दी जानकारी

एसआईएफ बैतूल संस्था जिले में चलाएगी आईएसएम अभियान

बैतूल। राष्ट्रबाण

सेव इंडियन फैमिली (एसआईएफ बैतूल) द्वारा जिले में आईएसएम (इंस्टाग्राम से मुकदमा) नामक अभियान शुरू किया गया है, जिसमें युवाओं को जागरूक किया जाएगा कि सोशल मीडिया की दोस्ती कैसे गंभीर कानूनी संकट में बदल सकती है। एसआईएफ का मानना है कि जब किसी युवक पर झूठा केस दर्ज होता है, तो उसका पूरा परिवार प्रभावित होता हैं। एफआईआर में लड़के के साथ-साथ पूरे खानदान का नाम जोड़ दिया जाता है। ऐसे पीड़ित परिवारों को एसआईएफ बैतूल की ओर से मानसिक परामर्श, कानूनी सलाह और नैतिक सहयोग मुफ्त में दिया जाता है ताकि वे बिखरें नहीं पूरी ताकत से कानूनी लड़ाई लड़ सकें।

एसआईएफ बैतूल के प्रतिनिधि, पुरुष मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े विशेषज्ञ डॉ. संदीप गोहे ने बताया सोशल मीडिया पर उपलब्ध

प्लेटफॉर्म अब ब्लैकमेलिंग और फर्जी केस के शिकार बनाने का अड्डा बनते जा रहे हैं। बैतूल जिले में ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं। अब ऐसे मामलों को लेकर गंभीरता से आवाज उठाई जा रही है। डॉ. संदीप गोहे ने मुलताई थाना प्रभारी देवकरन डेहरिया से मिलकर थाना क्षेत्र में बढ़ रही घटनाओं पर चिंता जताई और एसआईएफ द्वारा शुरू किए गए अभियान की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुलताई क्षेत्र में भी सोशल मीडिया के ज़रिए युवकों को फंसाने के मामलों में बढ़ोतरी हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फर्जी आईडी बनाकर पहले लड़कियां दोस्ती करती हैं, फिर किसी बहाने से ब्रेकअप या बहस के बाद झूठे केस की धमकी देती हैं।

सोशल मीडिया पर सक्रिय है संगठित गिरोह

उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में संगठित गिरोह इसके पीछे सक्रिय होता है, जो लड़कियों को मोहरा बनाकर युवाओं को जाल में फंसाता है। या तो उन पर केस दायर किया जाता है, या फिर केस की धमकी देकर लाखों रुपये ऐंठे जाते हैं। डॉ. संदीप गोहे ने कहा कि एसआईएफ बैतूल का उद्देश्य यही है कि कोई निर्दोष युवक कि ऐसे झांसे में आने के बाद जान ना जाए और न ही किसी का परिवार सामाजिक या मानसिक रूप से बर्बाद हो। अगर कोई ऐसे मामलों में फस गया हो तो हेल्प लाइन नंबर 8882498498 पर संपर्क कर सकते है।

सीएससी दिवस पर डिजिटल सेवाओं के सशक्तिकरण की दिखी झलक

बैतूल। राष्ट्रबाण

देश के कोने-कोने में सरकार की योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रहे कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) संचालकों के लिए बुधवार 16 जुलाई का दिन खास रहा। बैतूल में आयोजित सीएससी स्थापना दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यशाला में डिजिटल सेवाओं की ताकत और उसकी पहुंच का जीवंत चित्रण देखने को मिला। जहां एक ओर सरकार की योजनाओं की जानकारी साझा की गई, वहीं दूसरी ओर उत्कृष्ट कार्य करने वाले संचालकों का सम्मान कर उनका हौसला भी बढ़ाया गया।

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के मीटिंग भवन में एक भव्य जिला

स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में सीएससी के जिला प्रबंधक कमलेश रघुवंशी और विशाल झपाटे ने अतिथियों को कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से दी जा रही जनहितैषी सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में बताया गया कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार की योजनाएं जैसे आधार केंद्र, बैंक कीओस्क, आयुष्मान भारत, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएम किसान की ई-केवायसी, समग्र एवं लाड़ली बहना योजना की ई-केवायसी, टेली लॉ योजना, ई-डिस्ट्रिक्ट सेवाएं, बैंकिंग, बीमा सहित तमाम सेवाएं आज हर ग्राम और शहर के नागरिकों को आसानी से उपलब्ध कराई जा रही हैं। इन सभी सेवाओं के संचालन में सीएससी की भूमिका को अहम बताया गया।

जानी आदिवासी संस्कृति, देखा भारत का दिल

देश-विदेश से लौटीं चार सहेलियां बैतूल पहुंचीं

बैतूल। राष्ट्रबाण

छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में एक ही विद्यालय में पढ़ी चार सहेलियां वर्षों बाद फिर एक साथ मिलीं। संध्या जैन वर्तमान में मिडिल ईस्ट के देश ओमान में निवास करती हैं, ममता शनवारे पुणे (महाराष्ट्र) में इंजीनियर हैं, किरण गजवानी मुंबई के उपनगर कल्याण में गृहिणी हैं, जबकि मीनू पगारिया बैतूल में ही रहती हैं। चारों सहेलियों ने कई वर्षों बाद निर्णय लिया कि वे भारत के केंद्र बिंदु बैतूल में मिलेंगी और वहां से अपनी साझा स्मृतियों और भारत की विविधता को महसूस करने की शुरुआत करेंगी।

बैतूल स्टेशन पर उतरने के बाद उन्होंने आदिवासी कला-संस्कृति,

जनजातीय जीवनशैली, स्थानीय हस्तशिल्प और ऐतिहासिक धरोहरों को नजदीक से देखा। उन्होंने यह भी महसूस किया कि यह स्थल भौगोलिक रूप से भारत का केंद्र होने के साथ ही भावनात्मक और सांस्कृतिक रूप से भी भारत की आत्मा को दर्शाता है।चारों सहेलियों ने कहा कि बैतूल आकर उन्हें ऐसा महसूस हुआ जैसे वे फिर से भारत के मूल में लौट आई हों।

जिस अपनत्व की तलाश थी, वह बैतूल की संस्कृति में दिखाई दिया

संध्या जैन ने कहा कि विदेश में रहते हुए भी जिस अपनत्व की तलाश थी, वह यहां की संस्कृति में दिखाई दिया। ममता शनवारे ने बताया कि टेक्नोलॉजी की दुनिया से हटकर जब हम यहां पहुंचे तो एक अलग ही शांति और अपनापन महसूस हुआ। किरण गजवानी ने कहा कि यहां की आदिवासी संस्कृति और लोगों की सरलता ने दिल जीत लिया। वहीं मीनू पगारिया ने कहा कि अपने पुराने साथियों को यहां बुलाकर उन्हें बैतूल का गौरव दिखाने का मौका मिला, यह उनके लिए भावनात्मक अनुभव है। चारों सहेलियों की यह यात्रा जड़ों से जुड़ने और भारत की आत्मा को अनुभव करने का एक जीवंत प्रमाण बन गई। बैतूल ने उन्हें वह संवेदना दी जो वर्षों की दूरी को भी पलों में मिटा देती है। यह यात्रा एक उदाहरण बन गई कि चाहे हम दुनिया के किसी भी कोने में रहें, भारत की मिट्टी की खुशबू और संस्कृति का अपनापन कभी हमारे भीतर से मिटता नहीं।

राष्ट्रबाण
सिवनी, गुरुवार 17 जुलाई 2025

बालाघाट राष्ट्रबाण

● बैहर ● बिरसा ● कटंगी ● तिरोड़ी ● कटंगी ● खैरलांजी ● किरनापुर ● लालबर्रा ● लांजी ● परसवाड़ा ● वारासिवनी

यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष के लिये शिवम विश्वकर्मा ने पेश की प्रबल दावेदारी

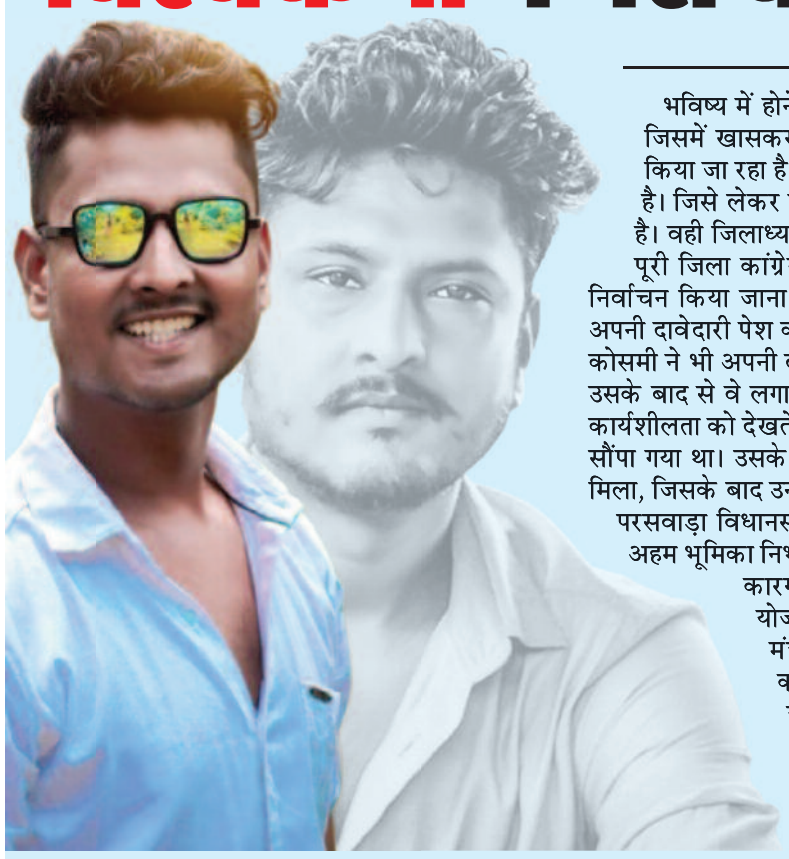

बालाघाट। राष्ट्रबाण

भविष्य में होने वाले चुनाव के दृष्टिगत अब कांग्रेस संगठन सृजन अभियान चला रही है। जिसमें खासकर युवाओं को जोड़ा जा रहा है। इसके अलावा विभिन्न संगठनो का भी गठन किया जा रहा है। संगठन को मजबूती प्रदान के लिये अब कांग्रेस हर मोर्चे पर कार्य कर रही है। जिसे लेकर कांग्रेस आलाकमान के निर्देश पर प्रदेश प्रभारी भी जिले का दौरा कर चुके है। वही जिलाध्यक्ष पद को लेकर पैनल में करीब 06 लोगो का नाम भेजा गया है। जिस पर पूरी जिला कांग्रेस कमेटी नजर बनायें हुई है। इधर, युथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष पद का भी निर्वाचन किया जाना है। जिसे लेकर सरगमी तेज हो चुकी है और कांग्रेस के युवा कार्यकर्ता अपनी दावेदारी पेश कर रहे है। जिसमें प्राथमिकता के साथ शिवम उर्फ सिब्बू विश्वकर्मा निवासी कोसमी ने भी अपनी दावेदारी पेश की है। शिवम, वर्ष 2016 से कांग्रेस सेवादल ज्वाइन किए है। उसके बाद से वे लगातार कांग्रेस के सक्रिय कार्यकर्त्ता के रूप मे कार्य कर रहे है। जहां उनकी कार्यशीलता को देखते हुए संगठन ने उन्हे कांग्रेस सेवादल ग्रामीण अध्यक्ष हट्टा ब्लॉक का दायित्व सौंपा गया था। उसके बाद 2021 मे उन्हे कांग्रेस पार्टी में कोसमी मण्डल अध्यक्ष का दायित्व मिला, जिसके बाद उन्होंन कांग्रेस पार्टी के लिए स्वयं को समर्पित करते हुए काम शुरू किया और परसवाड़ा विधानसभा मे भी कांग्रेस प्रत्याशी मधु भगत को रिकार्ड तोड़ जीत दिलाने मे भी अहम भूमिका निभाई। जिसका प्रमाण यह है कि पूरे प्रदेश में भाजपा की लाड़ली बहना योजना कारगर साबित हुई, लेकिन बालाघाट जिले की परसवाडा विधानसभा क्षेत्र में यह योजना पूरी तरह से दम हांफ गई। जहां कांग्रेस के मधु भगत ने मप्र शासन में मंत्री रहे रामकिशोर कावरें को चुनावी मैदान में मात दी थी। यहां कही ना कही कांग्रेस के युवा कार्यकर्ताओं की मेहनत का सफलतम परिणाम निकला था। जहां एक श्रेय शिवम उर्फ सिब्बू विश्वकर्मा को भी जाता है। क्योकि शिवम मण्डल अध्यक्ष पद के साथ साथ यूथ कांग्रेस मे भी पिछले 4 सालो से सक्रिय भूमिका निभाते आ रहें है। वर्तमान मे शिवम ने यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष के लिये प्रबल दावेदारी पेश की है।

मकान क्षति के प्रकरणों में तत्परता से बनाये जा रहे राहत राशि के प्रकरण

बालाघाट। जिले में पिछले दिनों हुए अतिवृष्टि एवं नदियों में आयी बाढ़ के कारण मकानों को आंशिक क्षति पहुंची है और 03 लोगो की मृत्यु हो गई है। कलेक्टर श्री मृणाल मीणा के निर्देश पर पीड़ित परिवारों को राहत पहुंचाने के लिए तत्परता के साथ आरबीसी 06-04 के प्रकरण बनाये जा रहे है। अतिवृष्टि से जिले में अब तक 344 मकान आंशिक रूप से क्षतिग्रस्े त हुए है। इनमें से 224 मकानों के 07 लाख 67 हजार 400 रुपये की राहत राशि के प्रकरण तैयार किये जा चुके है। अतिवृष्टि एवं बाढ़ से 03 लोगो की मृत्े यु हुई है। इनमें भी राहत राशि के प्रकरण तैयार किये जा रहे है। इसके साथ ही सर्पदंश से हुई मृत्यु के मामले में राहत राशि के प्रकरण भी तैयार किये जा रहे है।

लेटेरल एन्ट्री से कक्षा 11वी में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित

बालाघाट। जिले के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय उकवा में लेटेरल एंट्री से कक्षा 11वीं में प्रवेश के लिए 18 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित किये गए है। विद्यालय प्राचार्य ने जानकारी देते हुए बताया कि एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय उकवा में वर्ष 2025-26 में कक्षा 11वी वाणिज्य संकाय में 07 बालक की रिक्त सीट के लिए अनुसूचित जनजाति, बैगा जनजाति, विमुक्त घुमक्कड जनजाति, दिव्यांग अभ्यर्थी , अनाथ अभ्यर्थी आवेदन कर सकते है। कक्षा 11वी में प्रवेश लिए मप्र या सीबीएसई बोर्ड से कक्षा 10वी 60 प्रतिशत अंको से उत्े तीर्ण होना चाहिए। बैगा जनजाति एवं दिव्यांग अभ्यर्थी को 05 प्रतिशत अंकों की शिथिलता दी जाएगी।

प्रथम विद्यालय प्रबंधन समिति का किया गया आयोजन

बालाघाट। राष्ट्रबाण

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय बालाघाट में आज सत्र 2025 - 26 के लिए प्रथम विद्यालय प्रबंधन समिति का आयोजन एसडीएम श्री गोपाल सोनी की अध्े यक्षता में किया गया । मां सरस्वती के पूजन और स्वागत के पश्चात विद्यालय के प्राचार्य श्री अरुण कुमार तुमसरे ने शैक्षणिक गतिविधियों और विद्यालय की अधो संरचना से संबंधित समस्याओं को समिति के सामने रखा। ततसंबंध में समिति के सभी सदस्यों और अध्यक्ष के द्वारा सकारात्मक रूप से निर्णय लेते हुए इसके क्रियान्वयन हेतु अनुमति दी गई । अंत में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत अभी भारत सरकार के द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की याद में विद्यालय प्रांगण में सिंदूर के पौधे का वृक्षारोपण किया गया । इस दौरान समिति के सदस्यों के रूप में जिले के शिक्षाविद श्री शरद ज्योतिषी प्राचार्य उत्कर्ष विद्यालय, प्रोफेसर डॉक्टर निधि ठाकुर शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय डॉ श्रीमती सरिता खोबरागड़े प्रोफेसर शासकीय महाविद्यालय, मॉयल प्रबंधक श्री विवेक महाकालकर, श्री देवेंद्र प्रसाद दुबे अतिरिक्त सदस्य 123 सीआरपीएफ भरवेली, श्री नरेंद्र बॉम्पर उपयंत्री विद्यालय शिक्षा विभाग एवं श्री संजय डोंगरे स्नातक उत्तर शिक्षक पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय, आकाशवाणी और सूचना प्रसारण से संबंधित सदस्यों में श्री कुंवर विक्रम सिंह एवं श्री अजय बैंस ,अभिभावक सदस्यों में श्रीमती मोना सरकार, प्रभारी प्राचार्य,उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भरवेली ,श्री जीवन मसराम ,प्रोफेसर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट की उपस्थिति सराहनीय रही । कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक श्री अमरमणि शुक्ला के द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया संपूर्ण कार्यक्रम का कुशल संचालन शिक्षक श्री सुधीर कुमार तिवारी के द्वारा किया गया।

वन टाईम रजिस्ट्रेशन करने के लिए पीजी कॉलेज में 17 से 22 जुलाई तक शिविर का आयोजन

बालाघाट। शासन के निर्देशो के अनुसार महाविद्यालय में अध्ययनरत जनजातीय तथा अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों, जिन्हें केन्द्र प्रवर्तित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (वार्षिक पारिवारिक आय सीमा राशि 2 लाख 50 हजार रुपये से कम) का लाभ प्राप्त होता है, उन्हें वर्ष 2025-26 में छात्रवृत्ति योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर वन टाईम रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य है।

कलेक्टर ने की खनिज निधि के कार्यों की समीक्षा

बालाघाट। राष्ट्रबाण

कलेक्टर श्री मृणाल मीणा ने 16 जुलाई को निर्माण विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर पीएम खनिज क्षेत्र कल्याण योजना के कार्यों की विस्े तार से समीक्षा की। बैठक में जिला पंचायत के मुख्े य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक सराफ भी मौजूद थे।

बैठक में खनिज निधि से स्े वीकृत कार्यों की समीक्षा के दौरान निर्माण एजेंसियों को निर्देशित किया गया कि जो कार्य पूर्ण हो चुके है उनके पूर्णता प्रमाण पत्र शीघ्रता से प्रस्े तुत किये जाए। जो कार्य अब तक प्रारंभ नहीं हुए है उन्े हें शीघ्रता से प्रारंभ करने के निर्देश दिये गए। जो कार्य प्रगति पर है उन्े हें शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये गए। कलेक्े टर श्री मीणा ने कहा कि निर्माण कार्य गुणवत्े ता के साथ समय सीमा में पूर्ण करना है। निमार्ण कार्यों की गुणवत्े ता के साथ कोई समझौता नही होगा और इनमे किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्े त नहीं की जाएगी। पर्यटन विभाग को सौंपे गये कार्य रामपायली मंदिर के पास नदी घाट, शेड निर्माण, पार्किंग, शॉपिंग काम्प्लेक्स एवं मोक्षधाम के निर्माण कार्य की प्रगति संतोषजनक नहीं पायी गई। इस पर कलेक्टर श्री मीणा ने निर्माण एजेंसी के विरूद्ध कार्यवाही के लिए पर्यटन विभाग के प्रबंध संचालक को पत्र लिखने के निर्देश दिये। पुलिस हाउसिंग बोर्ड द्वारा पुलिस लाइन में निर्माणाधीन कार्यो की समीक्षा के दौरान संबंधित अधिकारी को पुलिस महानिरीक्षक बालाघाट रेंज से अनुमति लेकर कार्य करने के निर्देश दिए गए। ग्राम देवरी व लामता में ग्राम भारती एजेंसी के अंतर्गत किये जा रहे कार्यों में सरस्वती शिशु मंदिर में अतिरिक्त कक्ष बनाये जाने के निर्देश दिए गए।

पीजी कॉलेज में 10 दिवसीय राखी, मेंहदी प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

बालाघाट। राष्ट्रबाण

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट में 16 जुलाई से 10 दिवसीय राखी निर्माण एवं मेंहदी प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकोनंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ एवं आईक्े यूएसी सेल के तत्वाधान में किया गया है। इस प्रशिक्षण का आयोजन आगामी रक्षाबंधन उत्सव को दृष्टि में रखते हुये व विद्यार्थियों को स्वरोजगार एवं कलात्मक विकास के प्रति जागरूक करने के लिए किया गया है। इसमें छात्र-छात्राओं के द्वारा उत्साह से राखी तैयार करना सीखा जा रहा है। साथ ही श्रीमती जयश्री जैसवाल द्वारा विद्यार्थी को राखी व मेंहदी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन आईक्े यूएसी सेल प्रभारी एवं समाजशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सीमा श्रीवास्तव, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. कंचन मसराम, एवं स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ट प्रभारी टी.पी.ओं. डॉ. प्रतिमा बिसेन के निर्देशन एवं प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।

''नशे से दूरी, है जरूरी'' पर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बालाघाट। राष्ट्रबाण

शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्यालय वारासिवनी में मध्यप्रदेश पुलिस विभाग द्वारा संचालित जागरूकता अभियान के अन्तर्गत 16 जुलाई को पुलिस थाना वारासिवनी एवं स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में नशा मुक्ति अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. एसएस गेड़ाम की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में थाना वारासिवनी से सहायक उपनिरीक्षक श्री महैलसिंह धुर्वे एवं विशिष्ठ अतिथि के रूप में श्रीमती सत्यशीला वासनिक उपस्थित थे। इसके अलावा श्री राजकपुर रंगारे (प्रधान आरक्षक), श्री आर. हेमन्त बघेल (लोकल क्राइम ब्रांच) भी उपस्थित हुए।

कार्यक्रम में महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं को 'नशे से दूरी है जरूरी' थीम पर शपथ दिलाई गयी। कार्यक्रम में उपस्थित महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. सरिता कोल्हेकर ने अपने उद्बोधन में छात्र-छात्रओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में युवाओं के कांधे पर अपने परिवार, समाज एवं राष्ट्र को नशा मुक्त करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इस जिम्मेदारी को वे नशे से दूर रह कर सफलता पूर्वक निभा सकते है। विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित श्रीमती सत्यशीला वासनिक ने अपने उद्बोधन में कहा की जो मनुष्य नशा करता है वह व्यक्ति अकेला बर्बाद नही होता है बल्की उसके साथ-साथ उसका परिवार भी बर्बाद हो जाता है। श्री आर. हेमन्त बघेन ने कहा कि पिछले एक वर्ष में मध्यप्रदेश में आपराधिक गतिविधियों का विश्लेषण करने के उपरान्त यह पाया गया कि 90 प्रतिशत अपराध नशा करने के बाद ही हुए है। इसलिए नशा मुक्ति जागरूकता अभियान 15 जुलाई से 30 जुलाई तक चलाया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य अथिति ने अपने उद्बोधन में कहा कि नशा मनुष्य को सर्वांगिण रूप से पतन की ओर ले जाता है। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एसएस गेड़ाम द्वारा कहा गया कि नशे से मनुष्य को आर्थिक, सामाजिक एवं धार्मिक क्षति होती है। कार्यक्रम को सफल बनाने में सहायक प्राध्यापक डॉ. तृप्ति सोनवे, श्री कृष्णा पराते, श्रीमती सरिता नागवंशी, क्रीडा अधिकारी श्री विकास साहू, श्री डी एल एड़े, श्री संतोष त्रिवेदी, श्रीमती टीना बिसेन, श्रीमती हर्षिता मेश्राम, शिखा देवगीरकर की सहभागिता रहीं। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी श्री नरेन्द्र कुमार डोंगरे द्वारा किया गया।

जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक में अनाथ निराश्रित एवं हिंसा से पीड़ित बालकों एवं महिलाओं के संरक्षण पर की गई चर्चा

बालाघाट। राष्ट्रबाण

कलेक्टर श्री मृणाल मीणा की अध्यक्षता में महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत बाल कल्याण एवं बच्चों के अधिकार एवं महिलाओं से संबंधित योजनाओं की समीक्षा के लिए 16 जुलाई को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक सराफ, प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड श्रीमती शिखा शर्मा, सहायक कलेक्टर श्री आकाश अग्रवाल, महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती दीपमाला मंगोदिया, सहायक संचालक सुश्री वंदना धूमकेती, वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक सुश्री रचना चौधरी, किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य एवं बालकों की देख रेख करने वाली अशासकीय संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में हिंसा से पीड़ित बालिकाओं, महिलाओं, बालकों एवं निराश्रित परित्े यक्े त बेसहारा, गुमशुदा एवं घर से भागे हुए बालकों की सुरक्षा एवं संरक्षण पर विस्े तार से चर्चा की गई। इस दौरान कलेक्े टर श्री मीणा ने स्े पांसरशीप योजना से ऐसे निराश्रित एवं गुमशुदा बालकों को लाभान्वित करने के लिए बालकों के संयुक्े त खातों को शीघ्र डीबीटी कराये जाने के लिए निर्देश दिये। उन्े होंने वन स्े टॉप सेंटर एवं अशासकीय संस्े थाओं में रह रहीं महिलाओं एवं बालकों को स्े वरोजगार उपलब्े ध कराने के लिए उन्े हें व्े यवसायी प्रशिक्षण दिलाने के निर्देश दिए। इसके लिए प्रशिक्षण देने वाली संस्े थाओं का चयन करने कहा गया और बालकों की देखरेख करने वाली संस्े थाओं को बालकों के आवश्े यक दस्े तावेज बनाने के निर्देश दिए गए। बैठक में वन स्टॉप सेंटर की प्रशासन सुश्री रचना चौधरी ने बताया कि बालाघाट में वर्ष 2018 से वन स्े टॉप सेंटर संचालित किया जा रहा है। इसी प्रकार बैहर में वर्ष 2023 से बैहर, बिरसा एवं परसवाड़ा ब्े लॉक के वन स्े टॉप सेंटर प्रारंभ किया गया है। वन स्े टॉप सेंटर बालाघाट में हिंसा से पीड़ित 3864 महिलाज़ पंजीकृत है। इनमें से 2651 महिलाओं को परामर्श सहायता, 327 को चिकित्े सा सहायता, 359 को आश्रय सुविधा, 47 को पुलिस सहायता, 304 को विधिक सहायता उपलब्े ध करायी गई है और 61 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज करायी गई है। इनमें 2205 घरेलू हिंसा, 04 बाल विवाह, 29 बाल यौन शोषण, 138 बलात्े कार, 369 दहेज उत्े पीड़न, 03 महिलाओं की तस्े करी, 75 यौन अपराध, 193 अपहरण एवं भागने से संबंधित प्रकरण है। वन स्े टॉप सेंटर बैहर में 135 महिलाज़ पंजीकृत है। हिंसा से पीड़ित 112 महिलाओं को स्े वरोजगार के लिए विभिन्े न व्े यवसायों का प्रशिक्षण दिलाया गया है और यह महिलाज़ अपना स्े वयं का व्यवसाय कर रहीं है।

जिला स्तरीय परामर्श दात्री समिति की बैठक में कर्मचारियों की समस्याओं पर की गई चर्चा

बालाघाट। राष्ट्रबाण

16 जुलाई को कलेक्टर श्री मृणाल मीणा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय संयुक्त परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में शासन से मान्यता प्राप्त कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों के साथ कर्मचारियों की समस्े याओं पर चर्चा की गई और उनके निराकरण के लिए निर्देश दिये गए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्े य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, सहायक कलेक्टर श्री आकाश अग्रवाल, संयुक्त कलेक्टर श्री राहुल नायक, सभी विभागों के जिला अधिकारी एवं कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री मीणा ने बैठक में कहा शासन स्तर से निराकृत होने वाले मामलों पर जिला स्तरीय समिति में निर्णय नहीं हो सकते है। कर्मचारियो की जिन समस्याओं का निराकरण जिला स्तर पर किया जा सकता है उन पर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। बैठक में कर्मचारी संगठन द्वारा अर्जित अवकाश नगदीकरण, अनुकम्पा नियुक्ति, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को वर्दी का प्रदाय, अध्यापक संवर्ग के शिक्षकों को 12 व 24 वर्ष की सेवा होने पर समय पर क्रमोन्नति प्रदान करने, सेवा निवृत्त हुए कर्मचारियों को समस्त स्वत्वों का भुगतान 02 माह के भीतर अनिवार्य रूप से करने, आदिवासी क्षेत्रों में परियोजना भत्े ता नहीं मिलने, डीए एरियर का भुगतान समय पर नहीं करने जैसी समस्े याओं पर चर्चा की गई।

राष्ट्रबाण
सिवनी, गुरुवार 17 जुलाई 2025

सिवनी राष्ट्रबाण

● बरघाट ● छपारा ● धनोरा ● घंसौर ● केवलारी ● कुरई ● लखनादौन ● सिवनी ग्रामीण

धरणाधिकार योजना बनी परेशानी का कारण, वर्षों से इंतजार में आवेदक

सिवनी जिले में राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही धरणाधिकार योजना का उद्देश्य उन लोगों को पट्टा देना है जो 31 दिसंबर 2020 या उससे पहले से शासकीय भूमि पर कब्जे में हैं। यह पट्टा 30 वर्षों के लिए होता है और इससे लाभार्थियों को आवास निर्माण और बैंक ऋण जैसी सुविधाएं मिलती हैं।

सिवनी। राष्ट्रबाण

नगरीय क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लोग वर्षों से काबिज तो हैं लेकिन उनके पास जरूरी पट्टा ही नहीं है। ऐसे लोगों की सुविधा के लिए सरकार द्वारा धारणाधिकार योजना चलाई जा रही है, लेकिन लोगों में इस योजना के तहत आवेदन जमा करने में रूचि नहीं दिखाई जा रही है। वहीं दूसरी ओर जिन्होंने पिछले करीब दो सालों में योजना के तहत आवेदन किया भी है उन्हें समय में पट्टा ही नहीं दिया गया है। आवेदक द्वारा लगातार पट्टा बनाने वाले अधिकारियों के चक्कर ही लगाए जा रहे हैं। यदि ज्यादा चक्कर लगाने की वजह से अधिकारी परेशान हो जाता है तो वह प्रकरण में कमी निकलकर खारिज कर देता है। और

आवेदक निराश होकर धरणाधिकार योजना की सलाह किसी को नहीं देते

सूत्रों के अनुसार धारणाधिकार योजना के तहत नगरीय क्षेत्र में स्थित शासकीय भूमि पर 31 दिसंबर 2020 या उसके पूर्व निर्विवाद रूप से अधिपत्य में रहे और वर्तमान में अधिपत्य में रह रहे पात्र व्यक्तियों को 30 साल के लिए स्थाई पट्टे प्रदान किए जाते हैं। इस आधार पर जहां शासन को राजस्व मिलेगा। इसका निर्धारण भूखंडों के आकार और क्षेत्र के आधार पर किया गया है। मालिकाना अधिकार पत्र मिलने से हितग्राहियों को आवास बनाने में आसानी होती है। इसी के साथ बैंक से आवास निर्माण के लिए ऋण मिलने में भी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता।

ऑनलाइन करना होता है आवेदन

जानकारी अनुसार धारणाधिकार के तहत पट्टा प्राप्त करने के लिए आवेदक को ऑनलाइन आवेदन करना होगा। पूरी कार्यवाही के लिए कलेक्टर सक्षम अधिकारी होते हैं। वह ही पट्टा जारी करते हैं। सक्षम अधिकारी प्रकरण के अनुसार दावे और आपत्तियां आमंत्रित करने की उदघोषणा का प्रकाशन कराया जाता है। उनके निराकरण के बाद आगामी कार्यवाही की जाती है, वहीं जहां विवाद की स्थिति होती है उसकी जांच भी प्रशासन की ओर से कराया जाता है।

इन जगहों का नहीं मिलेगा पट्टा

जानकारी अनुसार नदी, नाला या जल संग्रहण क्षेत्र के रूप में अभिलिखित हो, संहिता की धारा 233 (क) के अधीन आरक्षित, किसी धार्मिक संस्था या माफी औफाक से संबंधित भूमि, नगरीय क्षेत्रों में पार्क, खेल के मैदान, सडक, गली या अन्य किसी सामुदायिक उपयोग की, राजस्व वन भूमि यानि छोटे-बड़े पेड़ों का जंगल, न्यायालय में विचाराधीन भूमि, नगरीय निकाय में किसी विकास योजना से संबंधित, शासकीय परियोजना या सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आरक्षित भूखंड आदि के लिए पट्टा जारी नहीं किए जा सकते हैं।

आत्मा गवर्निंग एवं कृषि विभाग की कलेक्टर ने की समीक्षा

सिवनी। राष्ट्रबाण

कलेक्टर सुश्री संस्कृति जैन की अध्यक्षता में कृषि विभाग की आत्मा गवर्निंग बोर्ड एवं विभागीय समीक्षा बैठक बुधवार 16 जुलाई को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में गवर्निंग बोर्ड के शासकीय-अशासकीय सदस्यों के साथ ही कृषि विभाग एवं अन्य कृषि संबंधी मत्स्य पालन, पशुपालन, उद्यानिकी के साथ ही अन्य विभागों के कार्यालय प्रमुखों की उपस्थिति रही।

बैठक में कलेक्टर सुश्री जैन ने वित्त वर्ष में आत्मा परियोजना अंतर्गत आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम, उन्नत बीजों के प्रदर्शन तथा नवाचारों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से वित्त वर्ष में प्रशिक्षण प्राप्त कृषकों का फीडबैक प्राप्त करने के निर्देश दिये हैं। साथ ही प्रशिक्षण उपरांत उनके द्वारा अपनाई जा रही कृषि पद्धतियों में बदलाव के संबंध में प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए निर्देशित किया है। इसके अतिरिक्त कलेक्टर सुश्री जैन ने आत्मा परियोजना के नवीन कार्य योजना का भी अनुमोदन किया।

कलेक्टर सुश्री जैन ने राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन पर चर्चा करते हुए उपस्थित अशासकीय सदस्यों एवं अधिकारी-कर्मचारियों को किसानों को अधिक से अधिक प्राकृतिक खेती के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को विगत वर्षों में जैविक उर्वरक तथा वार्मी कंपोष्ट बनाने के प्रशिक्षण प्राप्त किसानों को योजना से जोड़ने के निर्देश दिये हैं। कलेक्टर सुश्री जैन ने जिले का एक जिला एक उत्पाद सीताफल के रकबा बढ़ाने के लिए किसानों को प्रेरित करने के निर्देश उद्यानिकी विभाग को दिये हैं। कलेक्टर सुश्री जैन ने जिले में स्वाइल टेस्टिंग प्रगति की भी समीक्षा करते हुए इस कार्य में संलग्न किये गए युवा उद्यमियों से सीधी चर्चा कर कार्य के बारे में जाना। उन्होंने स्वाइल टेस्टिंग का कार्य कर रहे युवा उद्यमियों को परंपरागत फसलों के साथ ही साथ उद्यानिकी फसलों को ध्यान में रखते हुए मृदा का परीक्षण कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिये हैं।

सुब्रतो मुखर्जी कप में टिकारी स्कूल की बालिका टीम बनी उपविजेता

बैतूल। राष्ट्रबाण

राज्य स्तरीय सुब्रतो मुखर्जी कप फुटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में संभाग नर्मदापुरम का प्रतिनिधित्व कर रही शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टिकारी की बालिका वर्ग की टीम उपविजेता रही। यह प्रतियोगिता मध्यप्रदेश शासन के शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित की गई थी।

फाइनल मुकाबले में दमदार प्रदर्शन करने वाली टीम में पिंकी, सलोनी, तमन्ना, हर्षल, प्रियांशु, सरस्वती, मौसमी, प्रियंका, सुहाना, साधना, शारदा और आयुषी शामिल रहीं। इन सभी बालिकाओं ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार खेल का प्रदर्शन कर अपने विद्यालय और संभाग का नाम रोशन किया। टीम का प्रशिक्षण महिला कोच निकिता उइके और सह प्रशिक्षक कृष्णकांत उइके के मार्गदर्शन में हुआ। उनकी मेहनत और खिलाड़ियों की लगन का ही परिणाम रहा कि टीम राज्य स्तर तक पहुंची और उपविजेता बनी।विद्यालय के प्राचार्य संतोष कुमार पाटिल ने उपविजेता बनने पर पूरी टीम को बधाई देते हुए सभी खिलाड़ियों को सहभागिता प्रमाण पत्र और उपविजेता ट्रॉफी के साथ सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विद्यालय के लिए गर्व की बात है और इससे अन्य छात्राओं को भी खेलों में भाग लेने की प्रेरणा मिलेगी। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक और शिक्षिकाओं ने टीम को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

रोजगार मेले में 223 आवेदकों का हुआ प्रारंभिक चयन

सिवनी। कलेक्टर सुश्री संस्कृति जैन के निर्देशन में जिला रोजगार कार्यालय सिवनी, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र एवं शासकीय आई टी आई सिवनी के संयुक्त तत्वाधान में बुधवार 16 जुलाई 2025 को शासकीय आई टी आई सिवनी में युवा संगम कार्यक्रम अंतर्गत एक दिवसीय जिला स्तरीय रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन किया गया। उक्त मेले में निजी क्षेत्र की 11 विभिन्न कम्पनियों ने भाग लिया। रोजगार मेले में 322 आवेदकों नें अपना पंजीयन कराकर मेले में भाग लिया। रोजगार मेंले में विभिन्न कम्पनियों द्वारा 223 आवेदकों का रोजगार हेतु प्रारंभिक रूप से चयन किया गया।

बेलगाम डंपरों पर लगाम जरूरी : आखिर कब जागेगा प्रशासन?

जब तक कानून का डंडा सख्ती से नहीं चलेगा, निर्दोष जिंदगियां ऐसे ही रौंदी जाती रहेंगी

उगली ।राष्ट्रबाण

हर दिन हमारी सड़कों पर दौड़ते बेलगाम डंपर एक समय बम की तरह हैं कब, कहां और किसकी जिंदगी को रौंद देंगे, कोई नहीं जानता। हाल ही में उगली-केवलारी मार्ग पर हुआ भीषण हादसा इसका ताजा उदाहरण है। कौशल बस और डंपर की आमने-सामने टक्कर ने यह साफ कर दिया कि अगर अब भी इस अनियंत्रित रफ्तार पर लगाम नहीं लगी, तो आने वाले दिनों में ऐसी घटनाएं आम हो जाएंगी। इस दुर्घटना में कई लोग बाल-बाल बचे, लेकिन मानसिक आघात गहरा था। डंपर चालक का वाहन में फंस जाना, बस में बैठे यात्रियों का खून से लथपथ होना और मौके की अफरातफरी ये सब कुछ एक भयानक सपने जैसा था। सौभाग्य कहिए कि कोई जान नहीं गई, लेकिन अगर यही हादसा चंद सेंकडों आगे या पीछे होता, तो शायद कई शवों की खबर बनती।

श्रेय की फोटो खिंचाऊ बीमारी : सड़क निर्माण के दौरान निर्माण स्थल पर निरीक्षण करने पहुंचे नपा कार्यवाहक अध्यक्ष ज्ञानचंद सनोडिया और पूर्व जिलाध्यक्ष आलोक दुबे।

उखड़ गई सड़क - महज 15 दिनों में गड्ढों में तब्दील हुई सड़क।

स्पीड, ओवरलोडिंग और लापरवाही का मिला-जुला नतीजा है ऐसे हादसे

आज जरूरत है कि प्रशासन सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर हो। खासकर खनन से जुड़े भारी वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित किया जाए। अधिकतर डंपर चालक न तो ट्रैफिक नियमों का पालन करते हैं, न ही उनकी गाड़ियों की स्थिति सड़क चलाने योग्य होती है। स्पीड, ओवरलोडिंग और लापरवाही का मिला-जुला नतीजा है ऐसे हादसे। सवाल यह है कि क्या हमारे प्रशासन और परिवहन विभाग को इतनी घटनाओं के बाद भी होश नहीं आता? क्या नियम सिर्फ आम जनता के लिए हैं, और खनन माफिया के ट्रक-डंपर खुलेआम मौत बनकर दौड़ते रहेंगे? अब वक्त आ गया है कि इन बेलगाम डंपरों पर अंकुश लगाया जाए।

स्पीड ब्रेकर, साइन बोर्ड और सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं

प्रशासन को चाहिए कि ऐसे संवेदनशील मोड़ों और घाटों पर स्पीड ब्रेकर, साइन बोर्ड और सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। डंपर चालकों के लिए अनिवार्य प्रशिक्षण और लाइसेंस की पुनः समीक्षा की जाए। रात में भारी वाहनों के संचालन पर प्रतिबंध, खासकर ग्रामीण और स्कूल मार्गों में लगाया जाए। दुर्घटना करने वाले वाहनों और उनके मालिकों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इस दुर्घटना ने न केवल मौत की आहट दिखाई, बल्कि एक बार फिर यह याद दिलाया कि हमारी सड़कें सुरक्षित नहीं हैं। जब तक कानून का डंडा सख्ती से नहीं चलेगा, बेलगाम डंपर इसी तरह निर्दोष जिंदगियों को कुचलते रहेंगे। अब और इंतज़ार नहीं। बेलगाम डंपरों पर लगाम जरूरी है वरना अगला नंबर किसी का भी हो सकता है।

अब और इंतज़ार नहीं...

यह हादसा केवल एक चेतावनी नहीं, बल्कि एक अगाही है कि अब यदि कदम नहीं उठाए गए तो अगला नंबर किसी का भी हो सकता है। जब तक सड़कों पर दौड़ते इन बेलगाम डंपरों पर प्रशासनिक लगाम नहीं कसी जाएगी, तब तक यह खतरा हर आम नागरिक के सिर पर लटकता रहेगा। अब समय है सख्त फैसलों का, वरना अगली खबर किसी मासूम की मौत की होगी।

श्रद्धा पर डाका डालने वाला चोर पकड़ा गया, सिवनी पुलिस की बड़ी कामयाबी

सिवनी। राष्ट्रबाण

सिवनी कोतवाली पुलिस ने मंदिरों में सेंधमारी करने वाले एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर दो चोरी की घटनाओं का खुलासा किया है। गिरफ्तार आरोपी के पास से चोरी किया गया सामान और नकदी बरामद कर ली गई है।

पुलिस अधीक्षक सुनील मेहता के कुशल नेतृत्व और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती पूजा पाण्डेय के मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस लगातार अपराधियों पर नकेल कस रही है। इसी कड़ी में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है।

जानकारी के अनुसार, 13 जुलाई 2025 को जितेंद्र बघेल निवासी भैरोगंज सिवनी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि भैरोगंज स्थित हनुमान मंदिर का ताला तोड़कर दान पेटी चोरी कर ली गई है। इसके ठीक अगले दिन, 14 जुलाई 2025 को दिलीप राय निवासी आर्चीपुरम सिवनी ने आर्चीपुरम स्थित शिव मंदिर में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। चोर मंदिर का ताला तोड़कर अंदर रखे दो एम्पलीफायर और तांबे की गुंडी चुरा ले गया था। दोनों ही मामलों में कोतवाली थाने में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अलग-अलग धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

पुलिस ने इन दोनों घटनाओं को अंजाम देने वाले अज्ञात आरोपी की तलाश के लिए एक टीम का गठन किया। सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने फुटेज में दिख रहे संदिग्ध मयंक सनोडिया (उम्र 18 वर्ष, निवासी मंगलीपेठ एफसीआई रोड सिवनी) से पूछताछ की। मयंक ने दोनों चोरियों को अंजाम देना स्वीकार कर लिया। उसने बताया कि चोरी का सारा सामान छिंदवाड़ा बायपास के पास झाड़ियों में छिपाकर रखा था।

पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी का सामान विधिवत जब्त कर लिया है। जब्त किए गए सामान में दो एम्पलीफायर, एक गुंडी (कुल कीमत 9300 रुपये), एक लोहे की दो खंड वाली दान पेटी और उसमें रखी 409 रुपये की नकदी शामिल है। आरोपी मयंक सनोडिया को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

इस सराहनीय कार्य में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक किशोर वामनकर, प्रधान आरक्षक मनोज पाल, चंद्रप्रकाश अड़मे, आरक्षक सतीश इनवाती, अजेंद्र पाल, अमित रघुवंशी, प्रतीक बघेल, अंकित देशमुख, इरफान खान और चीता स्टाफ की विशेष भूमिका रही।

राष्ट्रबाण
बैतूल जिले की सभी तहसील में संवाददाता नियुक्त करना है
अग्रिम राशि जमा करने में सक्षम एवं पत्रकारिकता में रुचि रखने वाला व्यक्ति ही संपर्क करें। **संपर्क : 7000427433**

राष्ट्रबाण
छिंदवाड़ा में तत्काल एजेंसी देना है
अग्रिम राशि जमा करने में सक्षम एवं पत्रकारिकता में रुचि रखने वाला व्यक्ति ही संपर्क करें। **संपर्क : 7000427433**

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक* संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433